वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 200 | शनिवार 16 नवम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अभिनव पहल

पर्यटन विभाग की ओर से लोक कला और कलाकारों को प्रोत्साहन के लिए "कल्चरल डायरीज शृंखला" का हुआ आगाज

दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के पहले दिन अल्बर्ट हॉल में आयोजित हुई सांस्कृतिक संध्या

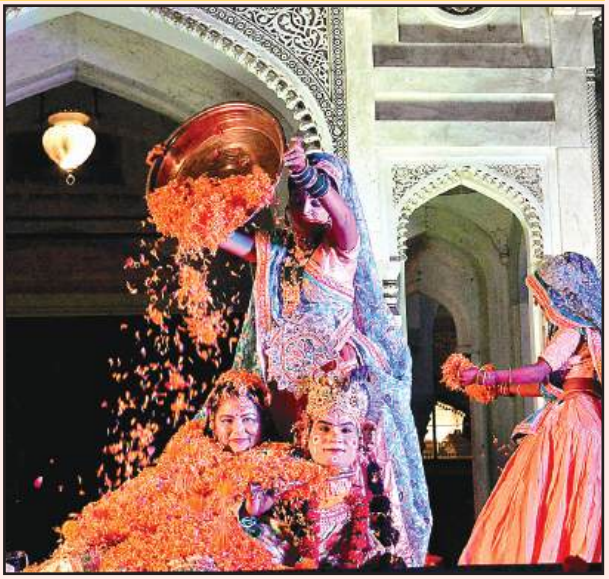

जयपुर. शाबाश इंडिया

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अभिनव पहल और निर्देशों पर राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से लोक कला और कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए और उनको आजीविका के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए ''कल्चरल डायरीज शृंखला'' के तहत दो दिवसीय सांस्कृतिक संध्या के पहले दिन शुक्रवार को रामनिवास बाग स्थित अल्बर्ट हॉल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजस्थान की लोक कला एवं संस्कृति को वैश्विक पटल पर प्रस्तुत करने, लोक कलाकारों को नया मंच प्रदान की दृष्टि से उक्त सांस्कृतिक संध्या का शुभारम्भ वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। जिसके पश्चात शेखावाटी अंचल के प्रसिद्ध कच्छी घोड़ी नृत्य की प्रस्तुति दी गई। तत्पश्चात राजस्थान मयूर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इसके पश्चात राधा कृष्ण ने फूलों की होली खेली जिससे प्रदेश के उत्तर-पूर्व में स्थित ब्रज अंचल की कला-संस्कृति भव्य रूप में साकार हुई। श्रीकृष्ण-राधा की प्रेमरसमयी और लठमार होली के रंगों व फूलों से सराबोर नृत्य की प्रस्तुति देख दर्शक भी थिरकने लगे। ब्रज के लोक कलाकारों ने उक्त प्रस्तुति में भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी के निर्मल प्रेम को साकार किया। इस दौरान ग्रामीण भवाई नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी गई। जिसमें नृत्य की विभिन्न मुद्राओं का अद्भुत संतुलन प्रदर्शित किया गया। ब्रज क्षेत्र के कर्णप्रिय और मन को लुभाने वाले भक्तिभाव से परिपूर्ण लोक संगीत सहित सांस्कृतिक संध्या में दी गई मोहक प्रस्तुतियों ने जयपुरवासियों और देशी-विदेशी पावणों को आनंद विभोर कर दिया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी तथा पर्यटन सचिव रवि जैन के निर्देशों की पालना में पर्यटन विभाग की ओर से लोक कला और कलाकारों को प्रोत्साहित करने और उनको नियमित रूप से आजीविका का अवसर दिलाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की पहल की गई है। इसके लिए पर्यटन विभाग की ओर से कल्चरल डायरीज शृंखला शुरू की गई है। जिससे राजस्थान की कला व संस्कृति से पूरी दुनिया परिचित होगी। सांस्कृतिक संध्या के दूसरे दिन शनिवार, 16 नवम्बर को अल्बर्ट हॉल पर ही बाड़मेर-जैसलमेर क्षेत्र के प्रसिद्ध लंगा-मांगणियार कलाकारों की गायन-वादन की प्रस्तुतियां होंगी। इस अवसर पर निदेशक पुरातत्व एवं संग्रहालय पंकज धरेन्द्र तथा पर्यटन विभाग की संयुक्त निदेशक पुनीता सिंह एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

तालकटोरा की पाल पर राजस्थानी कलाकारों ने किया परफॉर्म

मेयर कुसुम यादव समेत बड़ी संख्या में जनता रही मौजूद

जयपुर. कासं। जयपुर के 297वें स्थापना दिवस के मौके पर हेरिटेज निगम की ओर से शुक्रवार को ताल कटोरा की पाल पर लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थानी कलाकारों ने राजस्थानी गीत और भजन गाकर आज जनता को झूमने पर मजबूर कर दिया मौजूद। इस दौरान नगर निगम मेयर कुसुम यादव, कमिश्नर अरुण कुमार हसीजा समेत

बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। तालकटोरी की पाल पर नगर निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत गणपति वंदना से हुई। इसके बाद मांड गीत केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देश गाकर सभी दर्शकों की तालियां बटोरी। वहीं, कलाकार फखरुद्दीन ने कॉमेडियन डांस कर दर्शकों को हंसने पर मजबूर कर दिया। वहीं रंगीला भाई ने इंजन की आवाज निकाल कर सबको अचरज में डाल दिया। कार्यक्रम में राजस्थानी लोक संगीत वाद्य यंत्र अलगोजा की प्रस्तुति भी दी गई। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का समापन घूमर नृत्य के साथ हुआ। जिसमें कार्यक्रम में मौजूद दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

भाजपा नेता पं. सुरेश मिश्रा के बेटी दामाद को बधाई देने उनके निवास स्थान पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पहुंचे

जयपुर. शाबाश इंडिया

भाजपा नेता एवम सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा के बनीपार्क स्थित निवास स्थान पर माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पहुंच कर वर-वधु ऋषभ संग सौम्यता को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामना देने पहुंचे। पं. सुरेश मिश्रा की बेटी सौम्यता का आशीर्वाद समारोह है। लेकिन मुख्यमंत्री महाराष्ट्र यात्रा पर जा रहे है इसलिए शाम के कार्यक्रम मे नही पहुंच पा रहे थे। तो उन्होने नवयुगल को घर पर आकर आशीर्वाद दिया। साथ ही उन्हे श्री नाथ जी की तस्वीर और पुष्प गुच्छ भेंट किया साथ ही पुरे परीवार के साथ फोटो खीचवाई। इस अवसर पर उन्होन कहा की आप का दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत हो। आपको मेरी तरफ से हार्दिक शुभकामनाऐं । इस अवसर पर पं. सुरेश मिश्रा के परीवार ने मुख्यमंत्री के प्रती कृतज्ञता व्यक्त की कि आपने अपनी व्यस्त दिनचर्या के बाद भी बच्चों को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर वधु पक्ष से पं. सुरेश मिश्रा, नीलम मिश्रा, मुकेश मिश्रा, प्रिया मिश्रा, योगेश मिश्रा, नीमीषा मिश्रा, संस्कृति ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया तथा वर पक्ष की और से दिनेश शर्मा, वरूण शर्मा, आदित्य शर्मा ने स्वागत किया।

इनर व्हील क्लब कोटा नॉर्थ का दिवाली स्नेह मिलन-बाल दिवस थीम पर मनाया कोटा सिटी पार्क में

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। इनर व्हील क्लब कोटा नॉर्थ की जनरल मीटिंग, फन एंड एम्यूजमेंट के साथ सिटी पार्क में मनाई गई । मीटिंग कॉर्डिनेटर मधु ललित बाहेती और रेनू लालपुरिया ने बताया कि दीपावली स्नेह मिलन फन एंड एंटरटेनमेंट के साथ बाल दिवस की थीम पर रखी गई। सभी मेंबर्स इसी थीम के आधार पर ड्रेसअप होकर आए और गेम्स खेल कर आनंद लिया। पारितोषिक वितरण मधु बाहेती के सौजन्य से किया गया। अध्यक्ष सरिता भूटानी एवं सेक्रेटरी डॉ विजेता गुप्ता ने बताया कि क्लब की जनरल मीटिंग भी साथ में रखी गई जिसमें आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई । पूर्व में हुई प्रतियोगिताओं के पारितोषिक आई एस ओ शशि झंवर द्वारा दिए गए 28 सदस्यों ने सिटी पार्क की राइड का आनंद लिया । रजनी अरोड़ा, डॉ वीनू, डॉ विजेता, शहनाज परवीन, संगीता विजय और शिखा ब्यूटी क्वीन चुनी गई। समय पाबन्दी में पुष्पा अग्रवाल और शेला अग्रवाल ने पुरुस्कार जीते।

बाल दिवस पर लगा मेला, बच्चों में दिखा गजब का उत्साह

बडागांव धसान. शाबाश इंडिया

स्थानीय वर्धमान बाल शिक्षा निकेतन बड़ागांव मे हर वर्ष की भांति इस वर्ष 14 नवंबर को पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के दिन बाल दिवस के रूप मे मनाया गया। यह दिन खासतौर से बच्चों के लिए होता है, जिसमें उनकी खुशियों, उनके अधिकारों और उनके उज्ज्वल भविष्य को संवारने के लिए जागरूकता फैलाई जाती है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य बच्चों के प्रति जागरूकता को बढ़ाना और उन्हें एक सुरक्षित, खुशहाल और शिक्षा से भरपूर जीवन देने की दिशा में कार्य करना है। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चो द्वारा खाने पीने के स्टाल लगाये जाने पर उनका उत्साह देखने लायक रहा। कार्यक्रम के समापन पर विधालय कमेटी के मंत्री अशोक जैन डूडा ने बाल दिवस का इतिहास और महत्व बतलाते हुये कहा की भारत में बाल दिवस की शुरूआत पंडित जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिन पर हुई, जिन्हें बच्चे ''चाचा नेहरू'' के नाम से जानते थे। पंडित नेहरू को बच्चों से गहरा लगाव था और वे मानते थे कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उनके विचार में बच्चों को एक अच्छी शिक्षा और स्वस्थ जीवन देने की आवश्यकता है, ताकि वे आगे चलकर समाज और देश की बेहतरी के लिए योगदान दे सके।

प्राचीन अतिशयकारी मूलनायक तीर्थंकर संभव नाथ भगवान का मनाया गया जन्म कल्याणक

जयपुर. शाबाश इंडिया

ज़िले की ग्राम पंचायत डूँगरी कलाँ के ग्राम सांगा का बास के दो सो पचास वर्ष पुराने जैन मन्दिर में आत्म कल्याण की भावना के साथ अतिशयकारी मूलनायक जैन धर्म के तीसरे तीर्थंकर श्री 1008 संभव नाथ भगवान का जन्म कल्याणक भक्ति भाव से मनाया गया। मन्दिर समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की भगवान संभव नाथ का जन्म कार्तिक की पूर्णिमा को श्रावस्ती गाँव में हुआ था। उनके पिता का नाम राजा जितारि और माता का नाम सेना रानी था। तीर्थंकर संभव नाथ का प्रतीक चिह्न घोड़ा है व इनका निर्वाण सम्मेदशिखर से हुआ था। मन्दिर जी में प्रातः अभिषेक शान्तिधारा व पूजन में अर्घ्य बोल कर अष्ट द्रव्य समर्पित करने का सोभाग्य पदम चंद, दुली चंद,केवल चंद, राजू, मास्टर आदित बिलाला ने प्राप्त किया। इधर इसके बाद धर्म प्रभावना के साथ मण्डल पर भक्तामर दीप अर्चना की गई। पंडित वीरेंद्र जैन ने विधि पूर्वक सब कार्य संपन्न कराये। अंजू काला, पुष्पा बिलाला, माल चन्द, सुरेश जैन, किरण जैन, विमला बिलाला, आशा जैन, कमल जैन, विनोद जैन सहित समाज जनों की जयपुर, चोमू, कालाडेरा, किशनगढ़ रेनवाल, डूंगरी गांव से सहभागिता रही।

कीर्ति नगर जैन मंदिर में मुनि समत्व सागर के सानिध्य में दिगंबर जैन महासमिति का स्वर्णिम वर्ष 2024 आज 16 नवंबर को

होगा दशलक्षण पर्व पुरस्कार, युवा प्रतिभाओं और समाज श्रेष्ठियों का सम्मान समारोह

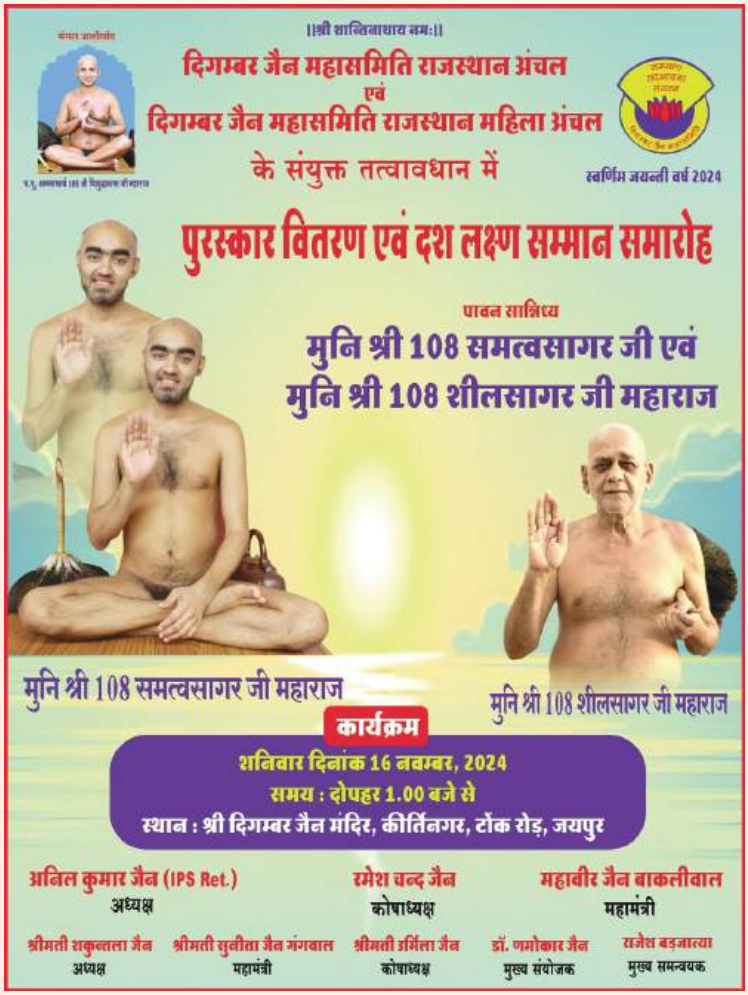

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजधानी के टोंक रोड़ स्थित कीर्ति नगर दिगंबर जैन मंदिर में शनिवार 16 नवंबर को दोपहर 1 बजे से मुनि समत्व सागर महाराज और मुनि शील सागर महाराज के सानिध्य में श्री दिगंबर जैन महासमिति स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजस्थान अंचल इकाई द्वारा स्वर्णिम वर्ष 2024 महोत्सव मनाया जा रहा है। इसी अवसर पर शनिवार को दशलक्षण पर्व पुरस्कार, युवा प्रतिभाओं और समाज श्रेष्ठियों का सम्मान किया जाएगा। इस दौरान मुनि समत्व सागर महाराज और मुनि शील सागर महाराज का सानिध्य एवं आशीर्वचन उपस्थित जैन बंधुओं को प्राप्त होंगे। राजस्थान अंचल अध्यक्ष अनिल जैन (पूर्व आईपीस) और महामंत्री महावीर बाकलीवाल ने बताया कि शनिवार को स्वर्णिम वर्ष समारोह अंतर्गत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी विवेक काला, समारोह गौरव एवं राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र जैन पांड्या, समारोह अध्यक्ष उत्तम कुमार पांड्या, चित्र अनावरण वीरेंद्र जैन सेठी, दीप प्रवज्जलन समाजसेविका मृदुला जैन पांड्या करेंगे, इस दौरान विशिष्ट अतिथि शैलेन्द्र गोधा (संपादक समाचार जगत), नवीन सेन जैन, मनीष वैद (महामंत्री राजस्थान जैन सभा), डॉ विनोद शाह, डॉ राजेंद्र जैन, कीर्ति नगर समाज समिति अध्यक्ष अरुण काला मटरु, महामंत्री जगदीश जैन, सुरेश चंद जैन बांदीकुई, राजेंद्र शाह, राजाबाबू जैन, नमोकर जैन, अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू, प्रमोद बाकलीवाल आदि सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु सम्मिलित होंगे और पुरस्कार वितरण के सहयोगी बनेंगे। समारोह का विशेष आकर्षण त्यागी-वृतियों और सुगंध दशमी पर जयपुर के विभिन्न जैन मंदिरों में युवा/महिला मंडलों द्वारा सजाई गई झांकियों के लिए मुनि संघ सानिध्य में सम्मानित किया जाएगा।

वेद ज्ञान

सेवा से मिलती है आनंद की प्राप्ति

सेवा मानव-हृदय के भीतर उत्पन्न होने वाला वह मिशनरी भाव है, जिसका आविर्भाव, स्वहित की अपेक्षा लोकहित के उद्देश्य से निस्वार्थ रूप से हृदय-कमल में होता है। सेवा का उद्देश्य पाना नहीं, बल्कि प्राण-पण से अपना इष्टतम अपने आराध्य या अभीष्ट को समर्पित करना है। इसका पारितोषिक, भौतिक नहीं बल्कि अभौतिक और अनुभूतिपरक होता है। सेवा शाश्वत आनंद प्रदान करने वाली अनमोल और कभी न समाप्त होने वाली आंतरिक खुशी प्रदान करती है। सेवा से हृदय सर्वथा प्रफुल्लित और आनंदित रहता है। दूसरे अर्थों में सेवा से मिलने वाले सुख व आनंद की प्राप्ति का स्थान संसार का कोई भी भौतिक सुख या उपलब्धि नहीं ले सकती। नौकरी भी किन्हीं अर्थों में सेवा की ही अनुगामिनी या सहचर है, किंतु इससे मिलने वाला पारितोषिक भौतिक रूप में उपस्थित होकर क्षणिक सुख की सृष्टि रचता है और दूसरे ही क्षण इसकी प्राप्ति से अतृप्ति, असंतोष, निराशा, घृणा, पश्चाताप, चंचलता, अरुचि और अन्यान्य नकारात्मक भाव पैदा होने लग जाते हैं। नौकरी भौतिक उन्नति या प्राप्ति की प्रत्याशा से किया जाने वाला कार्य है, जिसमें समर्पण, अपनत्व, श्रद्धा व सेवा से कहीं अधिक स्वार्थपरायणता, भौतिक प्राप्ति की उत्कंठा या जिज्ञासा समाहित रहती है। नौकरी से मिलने वाले पारितोषिक से जीवन की खुशी का ग्राफ ऊपर-नीचे होकर मन को उसी अनुपात में सुख-दुख, खुशी-पश्चाताप का सुफल या कुफल देकर उद्वेलित-आंदोलित करता रहता है, लेकिन सेवा का पारितोषिक सदैव मन की जीर्ण-शीर्ण कुटिया को हरी-भरी कर सुख, आनंद व खुशी को बहुगुणित हर्षित-प्रफुल्लित रखता है। भौतिकता केंद्रित नौकरी संसार के भवसागर में गोते खाने के लिए बाध्य करती रहती है, जबकि स्वार्थरहित सेवा ईश्वर के साम्राज्य का राही बनाकर अलौकिक सुख और आनंद के लोक का मार्ग प्रशस्त करती है। सेवा ईश्वर का स्थाई सानिध्य पाने का आनंददायी मार्ग है। वहीं नौकरी स्वयं की प्रतिभा को भौतिक इच्छाओं को पूरा करने का साधन मात्र है। सच्ची सेवा, स्वयं के इस भौतिक अभिनय से जन्म-जन्मांतरों के बंधनों को काटकर, ईश्वर के साथ तादात्म्य स्थापित करने का एक स्थाई प्रमाणपत्र है।

संपादकीय

नगर निकायों की वित्तीय स्थिति

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने स्थानीय निकायों की राजकोषीय स्थिति पर अध्ययन की शुरूआत करके तथा उसके निष्कर्षों को प्रकाशित करके अच्छी शुरूआत की है। नगर निकायों की वित्तीय स्थिति पर पहली ऐसी रिपोर्ट नवंबर 2022 में प्रकाशित की गई थी। उसके बाद पंचायती राज संस्थाओं की वित्तीय स्थिति पर एक अध्ययन पेश किया गया। रिजर्व बैंक ने अब 2019-20 से 2023-24 के बजट अनुमानों के आधार

पर नगर निकायों की वित्तीय स्थिति पर आधारित एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। अध्ययन में देश भर के 232 नगर निकायों को शामिल किया गया है। भारत में अक्सर स्थानीय निकायों पर सीमित नीतिगत ध्यान दिया जाता है। आंशिक तौर पर ऐसा इसलिए हुआ कि तुलनात्मक स्वरूप में आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। यह भी उम्मीद की जानी चाहिए कि रिजर्व बैंक का यह अध्ययन जरूरी नीतिगत ध्यान आकृष्ट करेगा और सार्वजनिक बहस को समृद्ध करेगा। स्थानीय निकायों को मजबूत बनाना अत्यधिक आवश्यक है। नगर निकायों के संदर्भ में यह बात ध्यान देने लायक है कि भारत का तेजी से शहरीकरण हो रहा है और उसे नागरिक क्षमताएं विकसित करने की आवश्यकता है। फिलहाल जो हालात हैं उनके मुताबिक भारत का करीब 60 फीसदी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) शहरी इलाकों में उत्पन्न हो रहा है और 2050 तक उसकी करीब 50 फीसदी आबादी शहरी इलाकों में रहने लगेगी। बहरहाल अधिकांश नगर निकाय इस बदलाव से निपटने के लिए तैयार नहीं हैं, मोटे तौर पर ऐसा इसलिए कि उनके पास संसाधन नहीं हैं। जैसा कि रिजर्व बैंक की रिपोर्ट दिखाती है, नगर निकायों की राजस्व प्राप्तियां जीडीपी का केवल 0.6 फीसदी हैं। यह मामूली आंकड़ा भी चुनिंदा नगर निकायों के पक्ष में झुका हुआ है। केवल 10 नगर निकाय कुल राजस्व प्राप्तियों में 60 फीसदी के हिस्सेदार हैं। नगर निकायों का कुल व्यय जिसमें राजस्व और पूंजीगत व्यय शामिल है, वह 2023-24 के बजट अनुमान में जीडीपी के 1.3 फीसदी के बराबर था। नगर निकायों के राजस्व में संपत्ति कर, कुछ शुल्क और उपयोग शुल्क आदि शामिल होते हैं। संपत्ति कर उसके कुल राजस्व में करीब 60 फीसदी होता है। नगर निकाय केंद्र और राज्य सरकारों के अनुदान पर बहुत अधिक निर्भर होते हैं। राज्य सरकारों, राज्यों के वित्त आयोग के अनुदान तथा अन्य जगहों से आने वाली राशि की बात करें तो 2019-20 और 2022-23 में वह इनकी राजस्व प्राप्तियों में 30 फीसदी की हिस्सेदार रही। केंद्र सरकार का हस्तांतरण उनके राजस्व में 2.5 फीसदी का हिस्सेदार रहा। नगर निकाय बाजार से भी उधारी लेते हैं, हालांकि यह उनके जीडीपी का केवल 0.05 फीसदी है। नगर निकायों की वित्तीय स्थिति दुरुस्त करने की जरूरत है। इसके साथ ही उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने लायक बनाना होगा। अधिकांश विकसित और विकासशील देशों में सामान्य सरकारी राजस्व और व्यय में स्थानीय निकायों की हिस्सेदारी बहुत अधिक है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

साइबर ठगी

डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर लोगों के साथ ठगी करने के मामले जिस तरह थमने का नाम नहीं ले रहे हैं, उससे यही स्पष्ट होता है कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री की ओर से लोगों को साइबर ठगों के इस हथकंडे के प्रति चेताने और संबंधित एजेंसियों की ओर से सक्रियता दिखाए जाने की सूचनाएं आने के बाद भी नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। यह चिंताजनक है कि न केवल डिजिटल अरेस्ट की धमकी देकर ठगने के मामले बढ़ रहे हैं, बल्कि ठगी की राशि भी बढ़ती जा रही है। अब तो लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की जा रही है। ठगी का शिकार होने वालों मे पढ़े-लिखे और जानकार समझे जाने वाले लोग भी बढ़ रहे हैं। कई मामलों में यह भी देखने में आया है कि साइबर ठगी के शिकार लोग शर्मिंदगी के कारण पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराने से हिचकते हैं। सरकारी एजेंसियां चाहे जो दावे करें, बहुत कम मामलों में ठगी गई राशि बरामद होती है और ठगों को गिरफ्तार किया जाता है। यह तब है, जब ठगी गई राशि देश के ही खातों में ट्रांसफर कराई जाती है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि सरकार की ओर से यह स्पष्ट किया जा चुका है कि सीबीआइ, ईडी, आयकर विभाग आदि उसकी किसी भी एजेंसी की ओर से डिजिटल अरेस्ट जैसी कार्रवाई नहीं की जाती। इसमें संदेह है कि आम लोग साइबर ठगों की चालबाजी से भली तरह जागरूक हो चुके हैं। जागरूकता के अभाव का एक कारण यह भी है कि सरकार ने साइबर ठगों और उनकी ठगी के नित-नए तरीकों के प्रति लोगों को सही तरह सतर्क नहीं किया है। यदि यह समझा जा रहा है कि समाचार पत्रों में एक-दो विज्ञापन जारी करने अथवा प्रधानमंत्री की ओर से मन की बात कार्यक्रम में इस समस्या को रेखांकित करने से लोग डिजिटल अरेस्ट के बहाने की जा रही ठगी के काले कारोबार से अवगत हो गए हैं तो यह सही नहीं। सरकार को न केवल साइबर

ठगों की कमर तोड़ने के लिए और अधिक सख्ती का परिचय देना होगा, बल्कि लोगों को जागरूक करने का कोई व्यापक अभियान भी चलाना होगा। अच्छा हो कि इस पर विचार किया जाए कि कुछ दिनों के लिए मोबाइल कालर ट्यून के जरिये लोगों को चेताया जाए कि इस-इस तरह की फोन काल आए तो सावधान हो जाएं। साइबर ठगी के बढ़ते मामले केवल देश को डिजिटल करने के अभियान को ही चोट नहीं पहुंचा रहे हैं, बल्कि भारत की छवि भी खराब कर रहे हैं। साइबर ठग पहले लोगों को लालच देकर ठगते थे। अब वे लोगों को धमकाकर अथवा उनका मोबाइल फोन हैक करके यही काम कर रहे हैं। साफ है कि उनका दुस्साहस बढ़ रहा है। उनका बढ़ता दुस्साहस सुरक्षा एजेंसियों की नाकामी का ही परिचायक है। यह नाकामी निराश करने वाली है।

नव ज्योति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बाल दिवस व गुरु नानक देव जयंती के उपलक्ष्य में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का किया गया आयोजन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शहर के नवज्योति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बाल दिवस व गुरु नानक देव जयंती पर वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह व गुरु नानक देव जयंती पर्व को धूमधाम से मनाया गया।बच्चों ने इस उपलक्ष्य में धार्मिक व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी । जिसमें गुरु नानक देव जयंती के उपलक्ष्य में मनभावन धार्मिक प्रस्तुतियां पेश की गई।हरियाणवी नृत्य व राधा कृष्ण जी का महारास नृत्य ने समां बांध दिया । इस समारोह में सत्र 2023-24 की वार्षिक परीक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसके साथ-साथ गत वर्ष के सांस्कृतिक कार्यक्रम के विजेताओं जैसे मेहंदी प्रतियोगिता, राखी बनाओ प्रतियोगिता, दीया सजाओ प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता व फैंसी ड्रेस प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया।गत वर्ष के सभी विजेता विद्यार्थियों को आकर्षक स्मृति चिह्न (मोमेंटोज) देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही सभी अध्यापकों का बच्चों के जीवन में अहम भूमिका होती है इसलिए सभी अध्यापकों को उनके प्रदर्शन व संस्था में बच्चों के हितों में कार्य के लिए स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नव ज्योति एजुकेशन सोसाइटी के डायरेक्टर के. एल. गुप्ता ने अपने संबोधन में बच्चों को श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण करने व सख्त मेहनत करने का संदेश दिया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे सी.आर.डी.ए.वी. स्कूल के निदेशक सरदार बलकार सिंह ने अपने संबोधन में बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि सभी बच्चे आज के दिन एक प्रण ले कि हम अपने जीवन से किसी एक बुराई को अवश्य छोड़ेंगे व हर खास दिन में एक-एक बुराई छोड़ने का प्रण लें। इस अवसर पर अपने संबोधन में अध्यक्ष ईश कुमार मेहता ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में एक लक्ष्य निश्चित कीजिए और बाकी सभी विचार अपने दिमाग से निकलकर केवल अपने लक्ष्य पर अपना ध्यान केंद्रित करे तो सफलता अवश्य मिलेगी। कार्यकारी निदेशक डॉ. करूण मेहता व श्वेता मेहता ने इस अवसर पर बच्चों को बधाई दी व कहा कि चाचा नेहरू बच्चों को बहुत प्यार करते थे।आज का कार्यक्रम उन्हीं को समर्पित है उन्होंने आगे कहा कि श्री गुरु नानक देव जी केवल सिख धर्म के ही नहीं सभी धर्म के गुरु थे हमें उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में अवश्य धारण करना चाहिए। प्रबंधकीय निदेशक जगदीश मेहता व प्राचार्य श्रीमती सरिता मेहता ने भी बच्चों को गुरु नानक जयंती की बधाई दी। कुशल मंच संचालन विद्यालय अध्यापक मिल्ख राज द्वारा किया गया ।इस अवसर पर विद्यालय अध्यापक पवन महेंद्रा, सुभाष सर, संजय सर ,मेहर सिंह सर, जीतराम सर, अनिल सर, अनुराधा रानी, प्रेमलता, वीना रानी, मोनिका रानी, विनस मैहता, साक्षी मोंगा व समस्त स्टाफ उपस्थित रहे ।

पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के चौथे दिन तप कल्याणक महोत्सव मनाया

धन को लक्ष्य नहीं साधन बनाओ

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ के चौथे दिन तप कल्याणक महोत्सव मनाया गया। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि शुक्रवार को प्रातःकाल जाप अनुष्ठान, अभिषेक, नित्य नियम पूजन व तप कल्याणक की पूजन प्रतिष्ठाचार्य पंडित प्रखर रजनी भाई दोषी हिम्मतनगर व मंच संचालन पंडित संजय जेवर, पं. मनीष शास्त्री, पं.विराग शास्त्री व अन्य विद्वानों के सानिध्य में तप कल्याणक महोत्सव इन्द्र सभा, राज्य सभा, लोकांतिक देव आगमन, देव -मानवों की चर्चा दीक्षा विधि एवं युवराज आदिनाथ का विवाह राज्याभिषेक, वेराग्य संपन्न हुआ। यहां श्री मज्जिनेद्र जिन बिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में पहले युवराज आदि कुमार का विवाह महारानी नन्दा, सुनंदा से हुआ, फिर एक दिन राजा नाभिराय ने शुभ घड़ी देखकर युवराज आदि कुमार का राज्याभिषेक किया। देवराज इंद्र स्वर्ग से नए वस्त्र आभूषण लेकर अयोध्या नगरी पहुंचकर युवराज को भेंट करते हैं। इसके अलावा आर्य खंड के सभी 32 हजार राज्यों के महाराजा हीरे-जवाहरात की भेंट लेकर अयोध्या नगरी पहुंचते हैं। फिर आदिनाथ का परिवार बढ़ता है उनके युवा पुत्रों बाहुबली एवं भरत तथा पुत्रियां राजकुमारी ब्राह्मी और सुंदरी का जन्म होता है।महाराज के दरबार में एक दिन भरी सभा में नीलांजना नाम की नर्तकी नृत्य कर रही थी। उसी दौरान नृत्य करते-करते उसके प्राण- पखेरू उड़ गए। देवराज इंद्र ने अपनी लीला से उसी क्षण दूसरी नृत्य की को भेज दिया, लेकिन आदिकुमार को पता चल जाता है और मन पर्याय ज्ञान अवधि ज्ञान उत्पन्न होकर वैराग्य हो जाता है। उनके माता-पिता व परिवार जन उन्हें लाख समझाने के बाद भी वन में प्रस्थान कर जाते हैं। महोत्सव के दौरान जब वैराग्य का प्रसंग हुआ तो श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। ऐतिहासिक पंचकल्याण में हजारों की संख्या में श्रावक, श्राविकाएं प्रतिदिन पुण्य लाभ ले रहे हैं।

जैन धर्म के तीसरे तीर्थंकर संभवनाथ भगवान का मनाया जन्म कल्याणक महोत्सव

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चोरू,नारेड़ा,मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया तथा लदाना सहित कस्बे के जिनालयों में जैन समाज के तीसरे तीर्थंकर संभवनाथ भगवान का जन्म कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि कस्बे के प्राचीन जिनालय आदिनाथ मंदिर में प्रातः श्री जी का अभिषेक शांतिधारा करने बाद अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना कर पंचपरमेष्ठी भगवान,नवदेवताओं तथा मां जिनवाणी की पूजा अर्चना कर विभिन्न पूवार्चार्यों के अर्घ्य अर्पित करने के बाद जैन धर्म के तीसरे तीर्थंकर संभवनाथ भगवान का जयकारों के साथ जन्म कल्याणक महोत्सव का अर्घ्य चढ़ाकर विश्व में सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई।उक्त कार्यक्रम में पूर्व सरपंच ताराचंद जैन, समाज के सरंक्षक प्रेमचंद भंवसा,केलास कासलीवाल, सुरेश सांघी, विरेन्द्र दोषी, ओमप्रकाश कासलीवाल, शांतिलाल मित्तल, राजेश छाबड़ा, शिखर गंगवाल, ऐडवोकेट रवि जैन, ललित कासलीवाल, अनिल कासलीवाल, भाविक कासलीवाल, आदि कासलीवाल, राजाबाबू गोधा तथा समाज की प्रेम देवी दोषी, कमला कासलीवाल, मैना गंगवाल, मनभर कासलीवाल,राजकुमारी दोषी, रेखा मित्तल, मंजू छाबड़ा, सीमा कासलीवाल, अंकिता गंगवाल, मनीषा कासलीवाल सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

जल,जंगल,जमीन के रक्षक व वर्तमान युवा पीढ़ी के प्रेरक हैं बिरसा मुंडा: प्रदेशाध्यक्ष सलावद

स्नेह मिलन समारोह व जयंती पर आयोजित विचार गोष्ठी में दिखा जबरदस्त उत्साह

बीकानेर. शाबाश इंडिया

अखिल आदिवासी मीणा महासभा द्वारा गांधी पार्क में आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह व स्वाधीनता संग्राम के अमर महानायक, अरण्य संस्कृति और जनजातीय अस्मिता के उन्नायक,मातृभूमि और'जल-जंगल-जमीन' की रक्षा हेतु संघर्ष की सीख देने वाले महान क्रांतिवीर 'धरती आबा'के उपनाम से जाने वाले, आदिवासियों के हृदय में अमिट छाप छोड़ने वाले एक वीर योद्धा व अंग्रेजों के सामने तमाम उम्र आदिवासियों की रक्षा व जनचेतना का बिगुल बजाकर आदिवासी एकता की मिसाल पेश करने वाले बिरसा मुंडा मात्र 25 साल की उम्र में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ बिगुल बजाते हुए अंग्रेजो की नकेल कसने वाले बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। आज हमारी युवा पीढ़ी को भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र सर्वोपरि की परिकल्पना के साथ रोजगार मुखी शिक्षा को अपनाकर भारत को विश्वगुरु बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देना चाहिए।हम इस मां भारती के असली पुत्र हैं,भारत पुत्र,धरती पुत्र आदिवासी जनजाति हैं और भारत का हर नागरिक आदिवासी हैं ।हमें आपस में लड़ने लड़ाने वाले लोगों के मंसूबे कामयाब नहीं होने देंगे।इस तरह के आयोजन समाज में नई मिसाल कायम करेगा उक्त उदगार भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आयोजित संगोष्ठी व दीपावली स्नेह मिलन समारोह में शिक्षाविद् एवं अखिल आदिवासी मीणा महासभा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद ने व्यक्त किए। अखिल आदिवासी मीणा महासभा के पदाधिकारियों व अतिथियों ने भगवान बिरसा मुंडा की फोटो के समक्ष माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का आगाज किया । संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए महासभा के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार मीणा ने कहा की भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजो के सामने डटकर मुकाबला किया और देश के लिए आदर्श साबित हुए। समय समय पर ऐसे आयोजन होने से समाज में सामाजिक समरसता का भाव बढ़ेगा। भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पकाल में ही राष्ट्रीय भाव का जागरण आदिवासी समाज में करवा दिया था। भगवान बिरसा मुंडा ने देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देश की युवा पीढ़ी के लिए मिसाल कायम की थी। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद, वरिष्ट समाजसेवी हरकेश मीणा,जिलाध्यक्ष मनोज कुमार मीणा, जिला महासचिव बाबूलाल सारसोप, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष भीमसिंह मीना, जिला सचिव धर्मेंद्र मीना, अजा जजा व पिछड़ी जाति अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संगठन के जिला संरक्षक श्याम सुन्दर बिश्नोई, जिला महामंत्री मनीष कुमार काचरिया, रामकेश मीणा, डॉ.योगेन्द्र मीणा, रमेश कुमार मीना, रामकल्याण मीना, हेमंत मीणा, दिलीप मीणा, रघु मीणा,अजय मीणा, अमित कुमार, त्रिलोक मीणा, शिक्षक संघ रेसटा के जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

चौ. हरपाल सिंह कान्वेंट सी. सै. स्कूल में धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस

बच्चों ने प्रस्तुत की सांस्कृतिक व धार्मिक प्रस्तुतियां

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद ।शहर के हरपाल नगर स्थित चौ. हरपाल सिंह कान्वेंट सी. सै. स्कूल में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिवस पर बाल दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय चेयरमैन ठाकुर गंगा सिंह, सचिव रघुवीर सिंह, निदेशक व प्राचार्य डा. सतबीर सूर्यवंशी, सहनिदेशक पूनम कंवर एडमिनिस्ट्रर सोनू शर्मा, उपप्राचार्य पवन वर्मा ने चाचा नेहरू की प्रतिमा को पुष्प अर्पित कर किया। कार्यक्रम के शुभारंभ में स्वागत गीत द्वारा आए हुए सभी उपस्थित जनों का स्वागत किया। इसके बाद बच्चों द्वारा अनेक प्रकार के सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रमों जैसे कविता, चूटकले, सोलो डांस, ग्रुप डांस, सकिट आदि की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध किया।

रिश्ते बिगड़ने से बचाता है मौन

मौन का महत्व हमारे जीवन और संबंधों में बहुत गहरा है। यह एक ऐसा गुण है जो न केवल आंतरिक शांति प्रदान करता है, बल्कि हमारे रिश्तों को मजबूत और सहेजने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अक्सर, जब किसी बहस या विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है, तो हमारी प्रतिक्रियाएं रिश्तों को और अधिक खराब कर सकती हैं। ऐसे में मौन एक ढाल की तरह कार्य करता है।

मौन: गुस्से पर नियंत्रण का साधन

बहस के दौरान हम अनजाने में ऐसे शब्द कह जाते हैं जो हमारे प्रियजनों को ठेस पहुंचा सकते हैं। यही शब्द रिश्तों में दूरी का कारण बनते हैं। मौन रहकर हम न केवल अपने गुस्से पर काबू पा सकते हैं, बल्कि परिस्थिति को शांतिपूर्ण तरीके से संभालने का समय भी पा सकते हैं।

मौन से मिलती है गहरी समझ

जब हम मौन रहते हैं, तो हमें आत्ममंथन का अवसर मिलता है। यह हमें सोचने और समझने में मदद करता है कि समस्या का वास्तविक कारण क्या है। मौन से विचारशीलता बढ़ती है और हम बेहतर निर्णय लेने में सक्षम होते हैं।

मौन का प्रभाव संवाद पर

मौन का अर्थ यह नहीं है कि हम कभी बोलें ही नहीं। बल्कि यह समझना है कि कब बोलना चाहिए और कब नहीं। जब हम सही समय पर सही शब्दों का चयन करते हैं, तो संवाद अधिक प्रभावशाली और सकारात्मक बनता है।

रिश्तों में मौन का उपयोग कैसे करें?

1. **तुरंत प्रतिक्रिया न दें:** किसी भी बहस या नकारात्मक स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें। शांत रहें।
2. **सुनने की आदत डालें:** मौन आपको सुनने का मौका देता है, जिससे आप सामने वाले व्यक्ति की भावनाओं को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं।
3. **सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं:** मौन के साथ-साथ अपने विचारों को सकारात्मक बनाए रखें और समाधान की दिशा में सोचें।
4. **आत्ममंथन करें:** किसी भी स्थिति में मौन रहकर अपने मन में विचार करें कि क्या कहा जाना चाहिए और कैसे कहा जाना चाहिए।

निष्कर्ष: मौन एक ऐसा साधन है, जो हमें न केवल कठिन परिस्थितियों से बचाता है, बल्कि रिश्तों को भी टूटने से रोकता है। यह हमारे व्यक्तित्व में शांति और धैर्य लाता है, जो हर संबंध के लिए जरूरी है। मौन की शक्ति को पहचानें और इसे अपने जीवन और रिश्तों में अपनाएं। याद रखें, कभी-कभी चुप रहना बोलने से ज्यादा प्रभावशाली होता है।

अनिल माथुर, जोधपुर (राजस्थान)

राष्ट्रीय मिर्गी दिवस 17 नवंबर 2024 पर विशेष

शैक्षिक अभियान,सामुदायिक कार्यक्रम व चर्चाएं आयोजित कर पीड़ितों में जागरूकता लाएं

मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों के जीवन को बेहतर बनाने में जागरूकता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है

किसी भी रोग के उपचार के साथ जीवन शैली में परिवर्तन,रोग को बढ़ावा देने वाले कारकों सेबचाना सुरक्षा उपायों के पालन में जागरूकता सटीक अस्त्र - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया: वैश्विक स्तरपर दुनियां का हर देश इस आधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकी युगमें भी अनेक प्रकार की बीमारियों रोगों से ग्रस्त है, क्योंकि अभी भी कुछ ऐसी बीमारियां व रोग हैं जो लाइलाज हैं, हालांकि उन पर नियंत्रण के लिए सटीक उपचारों का शोध निरंतर जारी है, परंतु इस बीच कोविड-19 जैसे संक्रमण रोग व उनके विभिन्न वेरिएंट आ जाते हैं जिससे पूरे विश्व में लाखों लोगों की जान चली जाती है, जिसका सटीक उदाहरण हमने कोविड-19 महामारी में देखें।अभी कैंसर जैसी बीमारी का तीव्रता से विस्तार हो रहा है, इसलिए उपचार के साथसाथ अब यह अत्यंत जरूरी हो गया है कि उन बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए उनके जीवन शैली परिवर्तन विकारों को त्यागना का उनमें जन जागरण बढ़ाना एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज हम इस जागरूकता की बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 17नवंबर 2024 को राष्ट्रीय मिर्गी दिवस है, जिसमें हम शैक्षिक अभियान, सामूहिक कार्यक्रम व चर्चाएं आयोजित कर पीड़ितों में जन जागृत उत्पन्न करते हैं। बता दें,सबसे पहले यह माना जाता है की यह एक संक्रामक बीमारी है जिस कारण मरीज की कोई सहायता करने से भी डरता है लेकिन यह एक असंक्रामक बीमारी है और हमारे अंदर नहीं फैल सकती है। दूसरी अफवाह यह है की अगर किसी को दौरे पड़ रहे हैं तो उसे भूत प्रेत और जादू टोने से जोड़ दिया जाता है जो पूरी तरह से झूठ है।मिर्गी के मरीज को जूता सुंघाना, उसके मुंह में चम्मच डालना भी आधार रहित बातें हैं,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, किसी भी रोग के उपचार के साथ जीवन शैली में परिवर्तन, रोग को बढ़ावा देने वाले कारकों से बचना व सुरक्षा उपायों के पालन में जागरूकता एक सटीक अस्त्र है। बता दें इस आर्टिकल मैं बताई गई बातों की सटीकता का कोई प्रमाण नहीं है। साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय मिर्गी दिवस 17 नवंबर 2024 की करें तो,भारत में हर साल 17 नवंबर को राष्ट्रीय मिर्गी दिवस मनाया जाता है, जो मिर्गी के बारे में अधिक समझ औरजागरूकता की आवश्यकता के एक शक्तिशाली अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है,एकन्यूरोलॉजिकल विकार जो दुनियाँ भर में लाखों लोगों को प्रभावित करता है।इस दिन का

उद्देश्य मिर्गी से पीड़ित लोगों को सहायता प्रदान करना, लोगों को शिक्षित करना और इस स्थिति से जुड़े कलंक को कम करना है। उचित जागरूकता और उपचार के साथ, मिर्गी को अक्सर प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है, जिससे लोग संतुष्ट जीवन जी सकते।मिर्गी एक न्यूरोलॉजिकल विकार है जो मस्तिष्क में अचानक विद्युत गतिविधि के फटने के कारण बार-बार, बिना किसी कारण के दौरे पड़ने से चिह्नित होता है। ये दौरे प्रकार और तीव्रता में भिन्न हो सकते हैं, जागरूकता में संक्षिप्त चूक से लेकर तीव्र ऐंठन तक, और शारीरिक, भावनात्मक या व्यवहार संबंधी लक्षणों के साथ हो सकते हैं। सभी उम्र, लिंग और पृष्ठभूमि के लोग मिर्गी से प्रभावित हो सकते हैं, और इस स्थिति के लिए अक्सर आजीवन प्रबंधन कीआवश्यकता होती है। साथियों बात अगर हम मिर्गी दिवस के लक्ष्य और उद्देश्यों की करें तो,राष्ट्रीय मिर्गी दिवस का लक्ष्य न केवल जागरूकता बढ़ाना है, बल्कि लोगों को समय पर निदान और उपचार प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना, जनता को शिक्षित करना और मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए अधिक समावेशी समाज का निर्माण करना भी है।मिर्गी से पीड़ित लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में जागरूकता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। राष्ट्रीय मिर्गी दिवस पर, लोगों को इस स्थिति के बारे में जानकारी देने, कलंक को कम करने और कार्रवाई के लिए प्रेरित करने के लिए शैक्षिक अभियान, सामुदायिक कार्यक्रम और चर्चाएँ आयोजित की जाती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और वकालत समूह इस दिन का उपयोग रोगियों की कहानियाँ साझा करने, अंतर्दृष्टि प्रदान करने और मिर्गी के प्रभावों और प्रबंधन रणनीतियों के बारे में जनता को शिक्षित करने के लिए करते हैं।जागरूकता बढ़ाने से उपचार की उपलब्धता में अंतर को पाटने में भी मदद मिल सकती है,खासकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों में जहां स्वास्थ्य सेवा की पहुंच सीमित हो सकती है।जागरूकता बढ़ाकर, राष्ट्रीय मिर्गी दिवस एक अधिक सूचित और दयालुसमाज बनाने में मदद करता है। साथियों बात अगर हम मिर्गी के भारत और वैश्विक प्रभाव की करें तो,मिर्गी वैश्विक आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से को प्रभावित करती है, कुछ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा और उपचार तक सीमित पहुंच के कारण इसकी दर विशेष रूप से उच्च है।यहाँ कुछ प्रमुख आँकड़े दिए गए हैंवैश्विक प्रभाव-2018 के एक अध्ययन के अनुसार, दुनियाँ भर में 7 करोड़ से ज्यादा लोग मिर्गी से पीड़ित हैं। इसमें सभी आयु वर्ग के लोग शामिल हैं, हालाँकि कम और मध्यम आय वाले देशों में इसका प्रचलन अक्सर ज्यादा होता है।भारतीय संदर्भ-अकेले भारत में ही लगभग 1.2 करोड़ लोग मिर्गी से पीड़ित हैं। यह वैश्विक मिर्गी के बोझ का एक बड़ा हिस्सा है और देश में जागरूकता और सहायता के महत्व को दशार्ता है।वैश्विक स्तरपर, मिर्गी का प्रचलन प्रति 1,000 लोगों पर लगभग 5-9 मामलों का अनुमान है। हालाँकि, कुछ क्षेत्रों में, ये दरें और भी अधिक हो सकती हैं। 2010 के ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (जीबीडी) विश्लेषण के अनुसार, मिर्गी वैश्विक बीमारी के बोझ का लगभग 0.7 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि हर साल 1.7 करोड़ से ज्यादा विकलांगता समायोजित जीवन वर्ष (डीएएलवाई) का नुकसान होता है।भारत में बच्चे-भारत में मिर्गी 8-12 वर्ष की आयु के बच्चों में विशेष रूप से प्रचलित है, पाँच साल की व्यापकता दर प्रति 1,000 बच्चों में 22.2 है। यह युवा व्यक्तियों और उनके परिवारों के लिए निदान, उपचार और सहायता तक बेहतर पहुंच की आवश्यकता को रेखांकित करता है। साथियों बात अगर हम मिर्गी प्रबंधन की करें तोउपचार के विकल्प-चिकित्सा अनुसंधान में प्रगति के कारण, मिर्गी को अक्सर उपचार के साथ प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है। मिर्गी के प्रबंधन के लिए कुछ सामान्य दृष्टिकोण इस प्रकार हैं,दवा- मिर्गी के इलाज के लिए एंटीएपिलेप्टिक दवाएं सबसे आम तरीका है। ये दवाएँ लगभग 70 प्रतिशत रोगियों में दौरे को नियंत्रित करने में मदद करती हैं। एक बार निदान हो जाने के बाद, डॉक्टर दौरे के प्रकार और आवृत्ति के आधार पर ये लिखते हैं। खुराक और किसी भी संभावित दुष्प्रभाव की निगरानी के लिए नियमित अनुवर्ती कार्रवाई आवश्यक है।सर्जिकल हस्तक्षेप-कुछ लोगों के लिए जो दवा से ठीक नहीं होते, सर्जिकल हस्तक्षेप एक विकल्प हो सकता है। सर्जरी में आमतौर पर दौरे के लिए जिम्मेदार मस्तिष्क के हिस्से को हटाना या बदलना शामिल होता है। हालाँकि, मिर्गी से पीड़ित लोगों में से केवल कुछ प्रतिशत को ही इस प्रकार के हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है।आहार चिकित्सा-कुछ मामलों में, आहार परिवर्तन, जैसे कि कीटोजेनिक आहार, ने दौरे की आवृत्ति को कम करने में आशा जनक परिणाम दिखाए हैं, खासकर बच्चों में। की टोजेनिक आहार में वसा अधिक और काबोर्हाइड्रेट कम होता है, जो मिर्गी से पीड़ित कुछ व्यक्तियों में मस्तिष्क के कार्य को स्थिर करने में मदद कर सकता हैजीवनशैली में बदलाव-मिर्गी के प्रबंधन के लिए अक्सर जीवनशैली में कुछ बदलाव करने की आवश्यकता होती है, जैसे कि दौरे को बढ़ावा देने वाले ज्ञात कारणों (जैसे नींद की कमी या तनाव) से बचना, मेडिकल अलर्ट ब्रेसलेट पहनना, और गतिविधियों के दौरान सुरक्षा उपायों का पालन करना।मनोवैज्ञानिक सहायता-मिर्गी के साथ जीने से भावनात्मक तनाव, चिंता और यहां तक कि अवसाद भी हो सकता है। मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों से सहायता, परामर्श या सहायता समूहों में शामिल होने से भावनात्मक कल्याण और जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक अंतर आ सकता है। साथियों बात अगर हम मिर्गी को समझने की करें तो,मिर्गी दिमाग से जुड़ी एक स्थिति होती है और यह किसी भी उम्र के लोगों को हो सकती है। इसके कई कारण हो सकते हैं जैसे बच्चों का दिमाग अच्छे से विकसित न हो पाना, बड़ों में दिमाग पर गहरी चोट लग जाना या फिर ट्यूमर आदि होना, दिमागी बुखार होना या गांठ होना भी इसके कारणों में शामिल है। जिस रूप में हमारा नर्वस सिस्टम प्रभावित हो सकता है वह मिर्गी आने का कारण बन सकता है। अगर आपके दिमाग तक ऑक्सीजन की सप्लाई कम मात्रा में पहुंचती है तो भी व्यक्ति को दौरे पड़ सकते हैं। शुरूआत में मिर्गी के लक्षणों के बारे में हमको जान लेना चाहिए, ताकि व्यक्ति या उसके आस पास के लोग एकदम से घबरा न सकें। शुरू में व्यक्ति के हाथ पैरों में झटके आ सकते हैं, चेहरे और गर्दन की मांसपेशियों में भी झटके आने लगते हैं। व्यक्ति अचानक खड़े खड़े गिर सकता है और टेंपररी रूप से झटके आ सकते हैं। **संकलनकर्ता लेखक: कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र**

मुनिश्री नियम सागर महाराज संघ को श्री फल किया भेंट

सनावद आगमन हेतु किया निवेदन

सनावद. शाबाश इंडिया

परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि श्री नियम सागर जी महाराज संघ के विदिशा में पार्श्व ज्योति मंच के अध्यक्ष डॉ नरेंद्र जैन भारती ने दर्शन कर श्री फल भेट किया तथा सनावद नगर आगमन हेतु निवेदन किया। संघ में पूज्य मुनि श्री पवित्र सागर जी, मुनि श्री निरंजन सागर जी,मुनि श्री आदि सागर जी तथा क्षुल्लक श्री संयम सागर महाराज हैं। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्रियम जैन ने बताया कि पूज्य मुनि श्री नियम सागर जी ने डॉ भारती को उनके द्वारा रचित सचित्र हिंदी संस्कृत अनुवाद तथा पद्यात्मक शैली में निबद्ध 'विद्याष्टकम' प्रदान कर उस ग्रंथ की विशेषताएं बताई। पूज्य मुनि श्री निरंजन सागर महाराज ने बताया कि इस ग्रंथ में मात्र एक श्लोक को आगे - पीछे,ऊपर - नीचे कहीं से भी लय बद्ध तरीके से पढ़ा जा सकता है तथा एक श्लोक पर आठ अन्य श्लोक रचकर आपने परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के यशस्वी व्यक्तित्व कृतित्व का वर्णन करते हुए गुणगान किया है। पूज्य मुनि श्री नियम सागर जी ने विहार को अनिश्चित बताया। इस मौके पर प्रियम जैन, शुभम जैन, संध्या जैन, प्रिया जैन, वीनस जैन ने भी मुनि संघ के दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण कर सनावद आगमन हेतु निवेदन किया।

बदल गई देहात

अपने प्यारे गाँव से, बस है यही सवाल।
बूढा पीपल है कहाँ, कहाँ गई चौपाल॥

रही नहीं चौपाल में, पहले जैसी बात।
नस्लें शहरी हो गई, बदल गई देहात॥

जब से आई गाँव में, ये शहरी सौगात।
मेड़ करे ना खेत से, आपस में अब बात॥

चिठ्ठी लाई गाँव से, जब यादों के फूल।
अपनेपन में खो गया, शहर गया मैं भूल॥

शहरी होती जिंदगी, बदल रहा है गाँव।
धरती बंजर हो गई, टिके मशीनी पाँव॥

गलियां सभी उदास हैं, पनघट हैं सब मौन।
शहर गए उस गाँव को, वापस लाये कौन॥

बदल गया तकरार में, अपनेपन का गाँव।
उलझ रहे हर आंगना, फूट-कलह के पाँव॥

पत्थर होता गाँव अब, हर पल करे पुकार।
लौटा दो फिर से मुझे, खपरैला आकार॥

खत आया जब गाँव से, ले माँ का सन्देश।
पढ़कर आंखें भर गई, बदल गया वह देश॥

लौटा बरसों बाद मैं, बचपन के उस गाँव।
नहीं रही थी अब जहाँ, बूढ़ी पीपल छाँव॥

–डॉ. सत्यवान 'सौरभ'
तितली है खामोश (दोहा संग्रह)

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम से बद्रीनाथ अहिंसा संस्कार पदयात्रा

कुछ लिख कर सो, कुछ पढ़कर सो, जब सोकर उठो तो चार कदम आगे बढ़कर उठो..!

आज मैं देख रहा हूं - कि शिक्षा पूरी होने के बाद हमारा पुस्तकों से रिश्ता खत्म सा हो जाता है। शायद पढ़ने वाले सोचते हैं कि अब पुस्तकों से क्या काम- ? लेकिन यह गलत फहमी है उनकी, जो यह सोच रहे हैं। पुस्तकें केवल डिग्री मिलने तक की साथी नहीं है, ना धन्धा पैसा बटोरने के उपाय। बल्कि साहित्य-हमारे अभिभावक की भूमिका निभाते हैं। गुरू की तरह दिशा बोध देते हैं। डॉक्टर, वैध, हकीम की अहमियत रखता है। मित्र की तरह सही गलत की बात बताता है। यदि हम नित्य अच्छे विचार के, लेखकों के, चिन्तकों के, महापुरूषों के, साहित्य को पढ़ते हैं, तो जीवन में जरूर परिवर्तन आयेगा। जो कार्य डॉक्टर, वैध, हकीम, माता पिता, शिक्षक नहीं कर पाते वह कार्य अच्छा साहित्य कर देता है। मनोभाव से पढ़ा गया साहित्य हमें अनेक विकल्पों से, चिन्ताओं से, तनावों से मुक्त कर सकता है। आप रोज मात्र 7 से 10 मिनट या एक पेज पढ़ते हैं तो मानकर चलना आप कभी डिप्रेशन के शिकार नहीं हो सकते। इसलिए -- साहित्य पढ़ने की आदत डालिये और शरीर से स्वस्थ व मन से प्रसन्न होकर जीयें। **-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

बगदा में पंचकल्याणक महोत्सव: चौथे दिन मनाया तीर्थंकर बालक का तप कल्याणक महोत्सव

आगरा. शाबाश इंडिया

शमशाबाद रोड के बरौली अहीर स्थित आरपी जैन कृषि फार्म हाउस बगदा में मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में 12 से 17 नवंबर के मध्य आयोजित हो रहे श्री मंजिनेंद्र चंद्रप्रभु जिनविंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं चौबीसी मानस्तंभ महोत्सव के चौथे दिन 15 नवंबर को तीर्थंकर बालक का तप कल्याणक महोत्सव मनाया। इसके पूर्व भक्तों ने महोत्सव का शुभारंभ डॉ अभिषेक जैन एवं विधानाचार्य ऋषभ जैन शास्त्री के निर्देशन में सर्वप्रथम प्रातः7:00 बजे श्रीजी का अभिषेक एवं शांतिधारा एवं नित्य नियम तप कल्याणक पूजन के साथ किया गयो आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज एवं भगवान चन्द्रप्रभु के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन दिलीप जैन एवं ताराचंद जैन विशाल जैन राहुल विहार द्वारा किया गया। इसके बाद इंद्र-इंद्राणियों ने दोपहर 12:00 बजे से तीर्थंकर बालक का विवाह संस्कार एवं राज्याभिषेक,महाराजा चंद्रसेन के दरबार में 32 मुकुटबद्ध राजाओं द्वारा भेंट समर्पण,चंद्रप्रभु का वैराग्य एवं

लोकतांत्रिक देवों का अगमन द्वारा दीक्षा विधि की सभी मांगलिक क्रियाएं उपाध्यायश्री एवं विधानाचार्यजी के निर्देशन में संपन्न कीं।इस अवसर पर तीर्थंकर बालक के तप कल्याणक महोत्सव के अवसर पर बगदा गांव में बालक चंद्रप्रभु के स्वरूप पीयूष जैन को घोड़े पर बैठकर श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर बगदा से बैंड बाजों के साथ बारात निकाली।बालक चंद्रप्रभु की बारात में भक्त बैंड बाजों की धुन पर नाचते- गाते हुए बड़ी संख्या में चल रहे थे। बालक चंद्रप्रभु की बारात बगदा गाँव के विभिन्न स्थानों से भ्रमण करते हुए आर.पी जैन कृषि फार्म हाउस बगदा पर पहुंची जहाँ प्रभु की वैराग्य यात्रा का मंचन भी दिखाया गया ।इस दौरान भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम के मध्य में उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज ने भक्तों को तप कल्याणक के महत्व को समझाया। सायः7:00 बजे संगीतकार पारस जैन अंबर के मधुर भक्ति गीतों पर श्रीजी की महाआरती की और सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं बाहर से पधारे कलाकारों द्वारा बहुत सुन्दर नाटिका का मंचन भी किया गया।इस कार्यक्रम का संचालन पंचकल्याणक महोत्सव समिति के महामंत्री अनंत कुमार जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर सुधीर कुमार जैन,प्रदीप जैन,अनंत कुमार जैन,मनोज जैन, पवन जैन,जिनेंद्र जैन,सुमन जैन, सुरेश जैन,मीडिया प्रभारी शुभम जैन राहुल जैन,समकित जैन,नगीना जैन तरन जैन,नीलम जैन,अनीता जैन रेनू जैन,समस्त आगरा की विभिन्न शैलियों के लोग महोत्सव में सम्मिलित होने के लिए बड़ी संख्या में बगदा पहुंच रहे हैं।

रिपोर्ट: शुभम जैन

सांगानेर चित्रकूट कॉलोनी में कल्पध्रुम मंडल विधान का भव्य आयोजन 18 नवंबर से 27 नवंबर तक

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर चित्रकूट में होने जा रहा है कल्पध्रुम मंडल विधान का भव्य आयोजन। विधान का आयोजन 18 नवंबर से 27 नवंबर तक आयोजित होगा। आचार्य भगवन विशुद्ध सागर जी महाराज जी के ज्येष्ठ शिष्य श्रमण मुनि समत्व सागर जी गुरुवर ससंघ के सानिध्य में सांगानेर चित्रकूट कॉलोनी में होने वाला विधान के कार्यकम की पत्रिका का विमोचन किया गया। प्रबंध कारिणी कमेटी अध्यक्ष केवल चंद जैन गंगवाल , मंत्री अनिल जैन बोहरा, सत्यप्रकाश कासलीवाल , योगेश पाटनी , बाबूलाल बिलाला सांगानेर चित्रकूट समाज के दीपक जैन पहाड़िया, ओम प्रकाश जैन कटारिया एवं नवयुवक मंडल ओर प्रबंध कारिणी ओर महावीर नवयुवक मंडल उपस्थित हुई प्रबंध समिति के अध्यक्ष केवल चंद जैन गंगवाल, मंत्री अनिल जैन बोहरा ने बताया कि मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज जी ससंघ का विधान के लिए 17 नवंबर को कीर्ति नगर जैन मंदिर से विहार कर सांगानेर चित्रकूट जैन मंदिर में प्रातः सवा 8 बजे भव्य शोभायात्रा के साथ मंगल आगमन होगा ।

लोकेश खींची ने 40वीं राज्य स्तरीय सीनियर पुरुष बॉक्सिंग प्रतियोगिता में किया स्वर्ण पदक अपने नाम

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नावां का है पूर्व विद्यार्थी लोकेश

मनोज गंगवाल. शाबाश इंडिया

नावां सिटी। कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नावां के पूर्व विद्यार्थी लोकेश खींची पुत्र ओम प्रकाश खीची ने कोटा में आयोजित 40वीं राज्य स्तरीय सीनियर पुरुष बॉक्सिंग प्रतियोगिता में शानदार खेल प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम कर क्षेत्र सहित संपूर्ण जिले का नाम रोशन किया । प्राप्त जानकारी के अनुसार लोकेश खींची आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। लोकेश ने इससे पूर्व भी खेलो इण्डिया सहित कई राष्ट्रिय प्रतियोगिताओं में पदक अपने नाम किए एवं वर्ष 2011 से 2024 तक अपने भार वर्ग में राज्य चेम्पियन है। लोकेश के जोधपुर पहुंचने पर जोधपुर बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष पृथ्वीसिंह भाटी, जोधपुर ओलिम्पिक संघ के सचिव टी के सिंह, जोधपुर वुसु संघ के अध्यक्ष सुरेश डोसी, जोधपुर बाक्सिंग संघ के महासचिव पूनम सिंह शेखावत व कोच विकाश सैन, सुनिल बारासा, विनोद आचार्य ने बधाइयां देते हुए शुभकामनाएं दी व जोरदार अभिनंदन किया।

मीरामार्ग पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का तीसरा दिन

दीक्षा कल्याणक महोत्सव की क्रियाएं देख श्रद्धालु हुए भाव विभोर

शनिवार को होगी ज्ञान कल्याणक की क्रियाएं

रविवार को नवीन वेदियों में विराजेगे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रतिष्ठित 32 जिन बिम्ब

जयपुर. शाबाश इंडिया

फोटोः कुमकुम फोटो
साकेत, 9829054966

मानसरोवर के गौखले मार्ग स्थित सेक्टर 9 के सामुदायिक केन्द्र पर संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मानसरोवर मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में नवनिर्मित जिनबिम्बों का श्रीमद् जिनेन्द्र जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के दूसरे तीसरे शुक्रवार को तप कल्याणक की क्रियाएं सम्पन्न हुई। तप कल्याणक की क्रियाओं को देखने के लिए समूचा जैन समाज उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने भगवान पार्श्वनाथ के जयकारे लगाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। वहीं शनिवार को ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि महामहोत्सव के अन्तर्गत पं. धीरज शास्त्री के निर्देशन में अभिषेक, शांतिधारा के बाद सौधर्म इन्द्र बने महेश - अनिला बाकलीवाल सहित भगवान के माता-पिता पदम कुमार - शशि जैन, कुबेर इन्द्र सुभाष - मीना अजमेरा एवं महायज्ञनायक सुशील-निर्मला पहाड़िया के नेतृत्व में पूजा की गई। यज्ञ के बाद प्रातः 8:30 बजे मुनि महिमा सागर महाराज, क्षुल्लक अनुनय सागर, सविनय सागर महाराज के मंगल प्रवचन हुए। प्रवचनों में बताया कि तप, त्याग करने से हर व्यक्ति तीर्थंकर बन सकता है। आत्म शुद्धि का एक मात्र मार्ग तप है। दोपहर 1:00 बजे से पाणि ग्रहण संस्कार, राज्य तिलक, भेंट समर्पण, असि, मसि, कृषि आदि षट कर्म, शिक्षा नीति, नीलांजना नृत्य, वैराग्य, दीक्षाभिषेक, वन गमन दीक्षा संस्कार विधि आदि की क्रियाएं प्रणम्य सागर महाराज द्वारा करवाई गई। इससे पूर्व भगवान पारसनाथ के 10 भव पूर्व का नाटिका के रुप में मंचन किया गया जिसमें कमठ के प्रति राग के कारण उनका हाथी बनना और भव भव में द्वेष की वजह से कमठ 10 भव तक यह द्वेष नहीं छोड़ता है। बारह भावनाओं पर एक नृत्य नाटिका प्राकृत भाषा में प्रस्तुत की गई। मुनि प्रण्यम सागर महाराज के द्वारा पारस कुमार का पारस मुनि बनने की क्रिया संपन्न कराई गई। सायंकाल 6:00 बजे से आचार्य भक्ति के बाद श्री जी की एवं मुनि श्री की भव्य आरती की गई । तत्पश्चाप शास्त्र सभा का आयोजन हुआ। अंत में नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिन्हें देख श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी के मुताबिक शनिवार 16 नवंबर को ज्ञान कल्याण की क्रियाऐं होगी। प्रातः 6:30 बजे अभिषेक, शांतिधारा, पूजन के बाद यज्ञ होगा। प्रातः 8:30 बजे प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे। प्रातः 9:00 बजे महामुनि की प्रथम आहारचर्या होगी। दोपहर 1:00 बजे से ज्ञान कल्याणक की क्रियाएं होगी। प्राण प्रतिष्ठा सूर्य मंत्र के साथ समवशरण की रचना की जाएगी। समवशरण में गणधर रूप में विराजमान मुनिश्री की देशना और पूजन होगी। सायंकाल 6:00 बजे से आचार्य भक्ति के बाद महाआरती की जाएगी। शास्त्र सभा के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा एवं उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी के मुताबिक महामहोत्सव में रविवार, 17 नवम्बर को मोक्ष कल्याणक की क्रियाएं होगी। प्रातः 6:30 बजे अभिषेक, शांतिधारा, पूजा के बाद सम्मेद शिखर पर्वत पर भगवान के अंतिम दर्शन होंगे। मोक्षगमन और निर्वाण कल्याणक की पूजन और विश्व शांति महायज्ञ होगा। प्रातः 8:00 बजे बच्चों का उपनयन संस्कार कार्यक्रम होगा। प्रातः 9:00 बजे मुनि श्री के मंगल प्रवचन के बाद विशाल शोभायात्रा सामुदायिक केंद्र से रवाना होकर विभिन्न मार्गो से होती हुई मीरामार्ग के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचेगी जहां पर पंचकल्याणक महामहोत्सव में प्रतिष्ठित 32 जिन बिम्बों को जयकारों के बीच नवीन वेदियों में विराजमान किया जाएगा। दोपहर 1:00 बजे से मुनिश्री का पिच्छिका परिवर्तन समारोह होगा। इस दौरान विभिन्न सहयोगियों का सम्मान एवं आभार व्यक्त किया जाएगा। इस तरह से पांच दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का रविवार को धूमधाम से समापन हो जाएगा।

-विनोद जैन कोटखावदा

गंभीर समस्या का हल...

दिन में दो चार बार लेट्रिन जाता हूँ कोई पेट दर्द नहीं कोई ब्लीडिंग नहीं,टेस्ट भी सामान्य है नाभि हिलती रहती है नाभि सही होने के बाद भी आराम नहीं होता क्या करूँ?

आपकी समस्या बार-बार मल त्यागने की है, और इसके साथ पेट दर्द, ब्लीडिंग, या टेस्ट में कोई असामान्यता भी नहीं है। इसके कुछ संभावित कारण और समाधान हो सकते हैं:

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

संभावित कारण

1. आंतों की संवेदनशीलता- यह इरिटेबल बॉवेल सिंड्रोम जैसी स्थिति हो सकती है, जिसमें आंतें अधिक संवेदनशील हो जाती हैं, जिससे बार-बार मल त्याग की आवश्यकता होती है।
2. पाचन सम्बंधी विकार - कभी-कभी पेट की गैस, एसिडिटी, या पाचन के अन्य विकारों के कारण भी बार-बार टॉयलेट जाने की आवश्यकता महसूस होती है।
3. मानसिक तनाव - तनाव या चिंता भी पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकती है, जिससे बार-बार मल त्याग या गैस की समस्या हो सकती है।
4. खान-पान की आदतें - अगर आहार में अधिक मसाले, तली हुई चीजें, कैफीन, या अधिक फाइबर होते हैं तो इससे भी बार-बार मल त्याग हो सकता है।

क्या करें

1. भोजन में बदलाव - मसालेदार, तली हुई चीजें, चाय, कॉफी और जंक फूड से परहेज करें। आहार में हल्का और सुपाच्य भोजन शामिल करें।
2. फाइबर का संतुलन - अपने आहार में फाइबर का संतुलन बनाए रखें। कभी-कभी अत्यधिक फाइबर सेवन से भी पेट में गड़बड़ी हो सकती है।
3. प्रोबायोटिक्स - दही, छाछ, और प्रोबायोटिक सप्लीमेंट्स लेने से आंतों की सेहत में सुधार हो सकता है।
4. स्ट्रेस कम करें - तनाव से बचें, ध्यान (मेडिटेशन) और योग करें, क्योंकि मानसिक शांति पेट की सेहत के लिए लाभकारी होती है।
5. भरपूर पानी पिएं - पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से पाचन बेहतर होता है।
6. नाभि संतुलन के लिए - किसी अनुभवी चिकित्सक से नाभि संतुलन (नाभि चक्र) के बारे में परामर्श लें।

चिकित्सीय सलाह

अगर स्थिति में सुधार नहीं आता है, तो आप एक गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट से परामर्श करें। डॉक्टर आपकी स्थिति के आधार पर कोई विशेष जांच जैसे एंडोस्कोपी या पेट का अल्ट्रासाउंड करवाने की सलाह दे सकते हैं, ताकि समस्या का सटीक कारण पता चल सके।

कच्ची बस्ती के बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन

सीकर. शाबाश इंडिया

बंजारा कच्ची बस्ती हाउसिंग बोर्ड सीकर में करणी सेवा संस्थान द्वारा संचालित स्कूल के छात्र छात्रों के साथ भूमिका जैन ने अपना 9 वा जन्मदिन मनाया इस दौरान बच्चों को शिक्षण सामग्री एवं फल वितरण किया। करणी सेवा संस्थान के अध्यक्ष शैतान सिंह काव्या ने बताया कि कच्ची बस्ती के बच्चों के साथ जन्मदिन मनाने से बच्चों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है इस दौरान संस्थान के सलोचना, मदन सिंह गोपाल कृष्ण माथुर आदि उपस्थित थे।

जुड़वा भाईयो ने रक्तदान करके मनाया जन्मदिन

जयपुर। Empowering together group एवं स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर संयोजक शैलेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि शिविर में 19 यूनिट रक्तदान किया गया। यह रक्तदान शिविर स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक , मिलाप नगर में लगाया गया। स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉक्टर एस एस अग्रवाल ने इस पुनीत कार्य की प्रशंसा की। शिविर का आयोजन शैलेन्द्र पाल सिंह एवं सुधेंद्र पाल सिंह जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में किया गया था। इस शिविर में अधिकतर रक्तदाताओं ने पहली बार उत्साह के साथ रक्तदान किया और लोगो को अधिक से अभी रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने का भी संदेश दिया।

इन्दौर में ऐतिहासिक रथ यात्रा में सोने चांदी के रथों पर भगवान की शोभायात्रा सम्पन्न हुई

इंदौर. शाबाश इंडिया

इन्दौर में जैन समाज की रथावर्तन महोत्सव में ऐतिहासिक दिव्य अलौकिक 108 विशेष सोने चांदी के रथों पर शोभायात्रा का शुरूआत गुणायतन तीर्थ भावना योग के प्रणेता परम पूज्य मुनि श्री प्रमाण सागर जी संसघ ब्रह्मचारी अशोक भैय्या व ब्रह्मचारी अभय भैय्या और प्रदेश सरकार की और से भाजपा के वरिष्ठ नेता मंत्री प्रहलाद पटेल, मंत्री तुलसीराम सिलावट, आर के मार्बल वाले अशोक पटनी, व क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक रमेश मेंदोला पुज्य मुनि श्री के साथ इस शोभायात्रा में शामिल हुए। हमारा शहर ऐसे तो संस्कृति प्रिय शहर है पर इन्दौर के इतिहास में 108 रथों से सुशोभित विशाल रथयात्रा पहली बार शहरवासियों ने देखी। भक्तों की भीड़ सुबह से विजय नगर चौराहे पर लगना शुरू हो गई थी आठ बजते-बजते जनसेलाब विजय नगर एवं एल आई जी पाटनीपुरा भमोरी बड़े बड़े स्वागत मंचों द्वारा भक्तजन व आमजन भी इस ऐतिहासिक दृश्य के गवाह बने। शोभायात्रा में पूरा जैन समाज एकजुटता के साथ इसमें दिखा और अपने अपने जिनालय मंदिरों का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने अपने रथों पर श्री जी को लिए भगवान की जय-जयकार करते छोती दुपट्टे में बेठे भक्त और सड़कों पर महिला रंग-बिरंगे अलग अलग कलर की साड़ियों में व पुरुष सफेद वस्त्रों में बहुत ही प्रभावी लग रहे थे। वहीं प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से आए रथों का इन्दौर व उसके आसपास के प्रसिद्ध बेंड बाजे लोक कलाकारों के नृत्य-संगीत संस्कृतिक के विभिन्न रंगों से समाहित यह धर्म प्रभावना समिति का यह रंग सदियों तक याद रहेगा। इन्दौर दिगंबर जैन समाज के ऐतिहासिक सिद्ध चक्र महामंडल विधान में सात दिनों तक सिद्धों की अराधना में मध्यप्रदेश राजस्थान उत्तरप्रदेश के साथ साथ विदेशों से भी भक्त इसमें शामिल हुए। यह सही बात है इन्दौर के इतिहास में यह विश्व रिकॉर्ड बना जिसमें पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

प्रेषकः स्वतंत्र लेखक हरिहर सिंह चौहान जबरी बाग नसिया जी इन्दौर

यात्रा के लिए यात्री दल सम्मेद शिखर जी पहुंचा

14 नवंबर को जयपुर से हुआ था रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दन रीजन के तत्वावधान में जैन सोश्यल ग्रुप महानगर और जैन सोश्यल ग्रुप अरिहंत द्वारा पर्वतराज सम्मेद शिखर जी की यात्रा का आयोजन किया गया। महानगर अध्यक्ष संजय जैन आँवा और मुख्य संयोजक दीपेश छाबड़ा ने बताया कि यात्रा हेतु 400 यात्रियों का दल जयपुर से रवाना हुआ। सांसद मंजू शर्मा ने झंडी दिखाकर सभी को रवाना किया और अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की नॉर्दन रीजन के वरिष्ठ पदाधिकारी राकेश जैन, महेंद्र सिंघवी, महेंद्र गिरधरवाल, राजीव पाटनी, रविंद्र बिलाला, प्रदीप जैन भी दल में शामिल हैं। यात्री दल आज सम्मेद शिखर जी पहुंच कर तलहटी के मंदिरों के दर्शन किए ।सभी यात्रियों द्वारा सम्मेद शिखर जी की वंदना के बाद सम्मेद शिखर विधान भी आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर कमल संचेती, सिद्दार्थ जैन, डॉ राजीव जैन एवं अन्य मौजूद रहे।

अपना घर मूक बधिर एवम दृष्टिहीन संभागीय स्तरीय आवासीय विद्यालय में सेवा दी

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा सामाजिक सरोकार के अंतर्गत सेवा देते हुए अजमेर शहर के कोटडा क्षेत्र में स्थापित दिव्यांग बच्चो का आवासीय विद्यालय अपना घर मूक बधिर एवम दृष्टिहीन संभागीय स्तरीय आवासीय विद्यालय के 110 बच्चो को कार्तिक बंब पुत्र सुनीता अरविंद बंब के सहयोग से मिष्ठान युक्त शुद्ध एवं सात्विक भोजन की सेवा प्रदान की गई। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन पदम चंद जैन के संयोजन में दी गई सेवा पाकर सभी दिव्यांग बहुत प्रसन्न नजर आए। जन संपर्क अधिकारी लायन अतुल पाटनी ने सेवा सहयोगियों के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए बताया कि इस अवसर पर कमला देवी जैन, विमलेश जैन,लायन पदम चंद जैन, अंजली जैन आदि ने बच्चो को अपने हाथों से भोजन करा कर सेवा कार्य को संपन्न कराने में सहयोग किया।

पुष्कर मेले में लगा दो दिवसीय मधुमेह रोग शिविर

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। पुष्कर मेले में मधुमेह रोग दिवस पर दो दिवसीय विशाल शिविर लगाया गया। मधुमेह दिवस पर डॉ अनिल सामरिया जॉइंट सेक्रेटरी व कोषाध्यक्ष आरएसएसडीई के नेतृत्व में, राजस्थान इकाई के तत्वावधान में हर वर्ष की भाती 2 दिवसीय निःशुल्क कैम्प लगाया गया। इस विशाल शिविर में 50 लोगो ने निरंतर सेवा दी जिसमें डॉ अनिल सामरिया, डॉ कमलेश तन्वानी , डॉ सुधाकर ने विस्तृत जानकारी व मधुमेह से कैसे बच सकते है पोस्टर के माध्यम से जानकारी दी। इस कैम्प में ब्लड सुगर, HbA1c, lipid profile, बीएमआई, ब्लड प्रेशर, लिवर का फाइब्रॉस्कैन की निःशुल्क जाँच की गई । डॉ अनिल सामरिया ने ऑनलाइन वीडियो कॉन्फर्स से लोगो से बात करके उनको मधुमेह से कैसे बचें या जो इससे पीड़ित है उनके इलाज में क्या ध्यान रखना है । हम मधुमेह से कैसे बचें या क्या ऐसा करे कि शुगर लेवल नार्मल रेंज में रहे , जैसे की रोजाना व्यायाम करना, खाने में शक्कर का उपयोग ना करना , कम वसा युक्त भोजन करना, मानसिक शांति रखना, अपने मोबाइल ऐप पर अपना रोजाना अपने दिनचर्या को मॉनिटर करना, पैदल चलना, साइकिल चलाना, नियमित दवाईया लेना बताया। इस शिविर में हर्ष, हरीश, राजेश मगनानी, आयुष गोरा , हर्ष नन्दवानिया, हरिश गोरा , रौनक जैन, निखिल, मोहित, विनोद, पंकज उदय आदि ने सेवाएं दी। इस विशाल शिविर में लगभग 573 लोगो की जाँच की जिसमें 59 डायबिटीज , 74 प्रिडायबिटीज थे ।

जैन धर्म संयम, तप, त्याग और वीतराग की बुनियाद पर खड़ा : आचार्य शशांक सागर

श्री सिद्ध चक्र विधान में 1024 अर्घ, आज होगा विश्व शांति महायज्ञ

जयपुर. शाबाश इंडिया। वरूण पथ मानसरोवर स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में अष्ठानिका के अष्टम-दिवस पर नित्य अभिषेक एवं शांति धारा के साथ भगवान महावीर के चित्र का अनावरण व दीप प्रज्वलन विधान शुक्र इंद्र पंकज- कणिका गोधा, भास्केंद्र इंद्र सतीश- मंजू कासलीवाल व पाद प्रक्षालन मंडल पूण्यार्जक निर्मल, भँवरी काला ने किया। सौधर्म इन्द्र सुनील-अनिता गंगवाल ने बताया आचार्य शशांक सागर महाराज ने प्रवचन में कहा कि संयम, तप, त्याग वाला जैन धर्म का महल वीतराग की बुनियाद पर खड़ा है।धर्म में राग द्वेष का कोई स्थान नहीं होता है। प्रतिष्ठाचार्य प्रद्युम्न शास्त्री ने बताया कि विधान के अष्टम-दिवस में 1024 अर्घ चढ़ें। इंद्र रोहित- आकांक्षा बेनाडा ने बताया की आज विश्व शांति महा यज्ञ के साथ, श्रीजी का गाजे बाजे के साथ जुलूस के रूप में नगर भ्रमण होगा। इस अवसर पर पूरण मल अनोपड़ा, विमल काला, अशोक बाकलीवाल, बसंत बाकलीवाल, राजकुमार गंगवाल, राजेन्द्र सोनी, सुनील गोधा, महावीर बडजात्या, सतीश कासलीवाल, संतोष कासलीवाल, लोकेश सोगानी, जैनेन्द्र जैन, जे के जैन, विजय जैन आदि उपस्थित रहे। -सुनील जैन गंगवाल

दुर्गापुरा स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी में अष्टान्हिका महापर्व के समापन पर निकली भव्य शोभा यात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

दुर्गापुरा स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी में अष्टान्हिका महापर्व के पावन अवसर पर शुक्रवार दिनांक 15 नवंबर को श्री 1008 श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान पूजा में मुनि श्री 108 पावन सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 सुभद्र सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में अभिषेक शांतिधारा डॉ मोहनलाल मणि एवं अजित जैन तोतूका ने की । ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि विधान पूजा में सम्मिलित सभी इन्द्र इन्द्राणियों ने आठवी पूजा के अर्घ्य मण्डल पर चढ़ाये। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष विमल कुमार गंगवाल ने बताया कि विधान पूजा के मध्य में मुनिश्री 108 पावनसागर जी ने प्रवचन में बताया कि संगति का असर हमारे जीवन पर पड़ता है जैसी संगति वैसा मन हो जाता है। एक साधु की संगति से हमारा मन पवित्र रहता है, मन में सरलता आती है और अच्छे विचार पैदा होते हैं। किंतु यदि दुर्जन व्यक्ति की संगति होगी तो हमारे मन में बुरे विचार आयेंगे, पाप कार्य करने का मन करेगा। अच्छी संगति से पुण्य प्राप्त होता है बुरी संगति से पाप होता है, हमें पाप से बचना चाहिए । हमें सत्संगति करनी चाहिए उसी से अपने मानव जीवन का कल्याण होगा। सिद्धचक्र महामण्डल विधान पूजा के समापन पर विश्व शांति महायज्ञ के पश्चात श्रीजी को पालकी में विराजमान कर मुनिश्री ससंघ के साथ शोभा यात्रा पांडाल से प्रारंभ होकर दुर्गा माता मंदिर के सामने से, इन्द्र सदन के सामने से होकर मंदिर जी पहुंची । रास्ते में जगह जगह श्रद्धालुओं ने पालकी में विराजमान भगवान आदिनाथ जी की एवं मुनिश्री की आरती उतार कर पुण्य अर्जन किया। मंदिर जी पहुचने पर पालकी की महिला मंडल की अध्यक्ष रेखा लुहाड़िया मंत्री रानी सोगानी व डॉ वन्दना जैन के नेतृत्व में महिलाओं ने पंच परमेष्ठी की आरती करी। शोभा यात्रा में केसरिया वस्त्र में पूजार्थी, ट्रस्ट के सभी सदस्य, महिला मंडल, विद्यासागर पाठशाला परिवार की चंदा सेठी, रिंकू सेठी, संगीता काला सहित पंडित अजित जैन, संगीतकार आकाश जैन शास्त्री, सुनील बज, जय कुमार जैन, सुनील संगही, नरेश बाकलीवाल, दिलिप कासलीवाल, मनीष मणि, नेमी निगोतिया, कमल छाबड़ा आदि गणमान्य सम्मिलित होकर धर्म प्रभावना कर रहे थे, जयकारे लगा कर पुण्य अर्जन कर रहे थे।

जस्टिस एनके जैन फाउण्डेशन सम्मान समारोह

विभिन्न क्षेत्रों की 108 विभूतियों को किया सम्मानित

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्म भूषण से सम्मानित एवं प्रसिद्ध समाज सेवी डॉ. डीआर मेहता ने कहा कि प्रोफेशनल जीवन के साथ–साथ हमें समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। गरीब, वंचित एवं जरूरतमंदों की पीड़ा को समझकर उनकी मदद करना मानवता की सर्वोच्च सेवा है।

जयपुर. शाबाश इंडिया

जस्टिस नगेन्द्र कुमार जैन फाउण्डेशन ट्रस्ट की ओर से शुक्रवार को भट्टारकजी की नसियां स्थित तोतूका सभागार में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित करने वाली तथा समाज सेवा में सक्रिय 108 विभूतियों को सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के सदस्य दिलीप शिवपुरी ने बताया कि न्यायमूर्ति स्व. जेपी जैन की 50वीं पुण्य तिथि एवं 108वीं जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित इस गरिमामयी समारोह में विधि, ज्योतिष, वकालात, चिकित्सा, शिक्षा, प्रशासनिक सेवा, पत्रकारिता, साहित्य, पर्वतारोहण, कला–संस्कृति, खेल, वास्तुकला, इंजीनियरिंग एवं समाज सेवा सहित अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही इस मौके पर एक स्मारिका का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्म भूषण से सम्मानित एवं प्रसिद्ध समाज सेवी डॉ. डीआर मेहता ने कहा कि प्रोफेशनल जीवन के साथ–साथ हमें समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। गरीब, वंचित एवं जरूरतमंदों की पीड़ा को समझकर उनकी मदद करना मानवता की सर्वोच्च सेवा है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति किया गया योगदान ही दुनिया में हमें हमारी मृत्यु के बाद भी जीवंत रखता है। उन्होंने कहा कि जस्टिस एनके जैन फाउण्डेशन ट्रस्ट का गठन होना इसी दिशा में एक मानवीय और संवेदनशील पहल है। ट्रस्ट के अध्यक्ष जस्टिस नगेन्द्र कुमार जैन ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि पिता जस्टिस जेपी जैन ने न्यायप्रियता, मानवीयता, उदारता जैसे जीवन मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पण भाव से कार्य किया। उनकी समृद्ध विरासत को आगे ले जाते हुए मानवीय मूल्यों से प्रेरित कार्यों को आगे बढ़ाने तथा समाज के जरूरतमंद वर्गों को मुख्यधारा में लाने तथा इन क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस ट्रस्ट का गठन किया गया है। ट्रस्टी रमेश अरोड़ा ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर गतिविधियों का निस्वार्थ भाव के साथ आयोजन किया जाता रहेगा। ट्रस्टी सुरेश जैन, संध्या काला सहित अन्य गणमान्यजन इस अवसर पर उपस्थित रहे। ट्रस्टी मुदित जैन ने धन्यवाद ज्ञापित किया। **इनका हुआ सम्मान** : जस्टिस पाना चंद जैन, जस्टिस वीएस दवे, जस्टिस जेआर चौपड़ा, जस्टिस एसएन भार्गव, केदार शर्मा, श्रीराम स्वामी, सीनियर एडवोकेट राजदीपक रस्तोगी, राजेन्द्र प्रसाद, सुधांशु कासलीवाल, बसंत सिंह छाबा, नीरज बत्रा, सुधीर कुमार जैन,

राकेश बी कुमार, डॉ. मालती गुप्ता, डॉ. केके शर्मा, डॉ. मनोहर लाल गुप्ता, डॉ. शीला जैन, डॉ. कला कासलीवाल, डॉ. एमएल टेलर, डॉ. प्रदीप जैन, डॉ. चंद्रशेखर चतुर्वेदी, डॉ. अरविंद गुप्ता, डॉ. तरू छाया, डॉ. दिलीप कुमार चारण, डॉ. राघव जौहरी, डॉ. ज्ञान चंद जैन, प्रो.कमल चंद सौगाणी, योगाचार्य डॉ. नरेन्द्र शर्मा, प्रो. कुसुम जैन, डॉ. मीना सोगाणी, प्रो. मंजू कूलवाल, डॉ. प्रेम चंद रावका, डॉ. कोकिला सेठी, प्रो. रीना माथुर, महेश कूलवाल, प्रो रश्मि जैन, मेजर राजेश कुमार शर्मा, सेवानिवृत्त आईएएस एनके सेठी, अरूण कुमार, एस सुधीन्द्र गेमावत, बीएल शर्मा, मनोज भट्ट, आईपीएस अनिल कुमार जैन, एसएस बिस्सा, आरसी जैन, वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद छाबड़ा, मिलापचंद डाण्डिया, शैलेन्द्र कुमार अग्रवाल, तरूण कुमार जैन, राकेश कुमार गोधा, डॉ. अखिल जैन, मारग्रेट जे सिंह, रमा दत्त, डॉ. मृणालिनी सोलंकी, प्रिय मिश्रा शेखावत, कमल राठौड़, जय श्री सिद्धा, ले. कर्नल मंजू जोशी, कलानाथ शास्त्री, अनिला कोठारी, दमयंती सोलंकी, सरोज चौहान, सीमा सेठी, सुभाष मोटवानी, विमल कुमावत, सुशीला, आरपी शर्मा, मनोज दासोत, अतुल गुप्ता, जगदीश तंवर, गोपाल सैनी, पंकज

दीक्षित, उमराव मल संघी, केएन सिंह, हनुमान शर्मा, गोपाल शरण, अजीत कुमार जैन, प्रसनजीत मालू, शशि शर्मा, डॉ. गीता रघुवीर, नीरू छाबड़ा, रूकमणी जैन, मुकुलिका बैद, राज काला, मीरा माथुर, महावीर कुमार जैन, महेश काला, नरेन्द्र कुमार सेठी, पंकज जैन, डॉ. अनिल जैन, भूपेन्द्र राज मेहता, धर्मचंद पहाड़िया, कमल लोचन, कमल संचेती, लवलीना सोगाणी, कुसुमलता जैन, उषा पापड़ीवाल, शीला जैन डोड्या, संजय जैन, श्याम विजय, रवि कुमार गुप्ता, जयंत ब्याडवाल, प्रदीप बाहेती, विवेक शर्मा, उत्तम जैन, सुशीला बोहरा एवं यशकमल अजमेरा।

अष्टान्हिका महापर्व में नन्दीश्वर द्वीप के 5616 अर्घ्य समर्पित

भक्तामर पाठ व नंदीश्वर भक्ति का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन मंदिर गायत्री नगर, महारानी फार्म में अष्टान्हिका महापर्व के पावन अवसर पर 8 नवंबर से 15 नवंबर तक अर्हं ध्यान योग प्रणेता परम पूज्य प्रणम्य सागर जी महाराज के द्वारा रचित महामह नंदीश्वर विधान प्रतिदिन प्रातः 7:00 बजे से किया गया जिसमें नन्दीश्वर द्वीप के 5616 अर्घ्य समर्पित किये। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जी ने अवगत कराया कि इस अवसर पर शुक्ल पक्ष में चतुर्दशी 14 नवंबर 2024 को 48 दिवसीय

भक्तामर पाठ के अंतर्गत घोषित प्रति माह की श्रृंखला में 48 मंत्रित काव्यों के 48 दीपों से दीप अर्चना की गई। दीपार्चना के पश्चात विधानाचार्य पं. अजीत शास्त्री के निर्देशन में आचार्य प्रवर पूज्य पाद कृत आचार्य श्री 108 विद्यासागर महा मुनिराज के द्वारा हिंदी पद्यानुवाद नंदीश्वर भक्ति बड़े ही धूमधाम से की गयी। इस अवसर पर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश छावड़ा -मधु छावड़ा , लता सोगानी, कमला देवी-भावना झांझरी, वीरेंद्र- सुनन्दा अजमेरा , उदयभान जैन - अनिता बड़जात्या, ज्योति जैन, बिमला जैन,अशोक - बिमला बिलाला, कमल जी मालपुरा वाले, अनिल जैन गदिया, समीक्षा गदिया, अजित पहाडिया, शिमला पाटनी, निलेश जैन, कुणाल बड़जात्या आदि के साथ अनेकों पुरुष व महिलायें, बालक बालिकायें उपस्थित थे।

महावीर आराधना के निष्ठापन पर विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा

24 नवंबर को होगा शशांक सागर जी का पिच्छिका परिवर्तन समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर में विराजमान परम पूज्य आचार्य गुरुवर शशांक सागर जी महाराज के पावन सानिध्य एवं मंगल आशीर्वाद से भगवान महावीर स्वामी की 108 दिवसीय मंगल आराधना का समापन 17 नवंबर 2024 को प्रातः 108 जोड़ो द्वारा आहुति देकर किया जाएगा। श्री दिगंबर जैन समाज समिति वरुण पथ मानसरोवर के अध्यक्ष एमपी जैन ने बताया कि दिनांक 17 नवंबर 2024 को पूज्य गुरुदेव के पावन सानिध्य में जयपुर शहर में प्रथम बार आयोजित भगवान महावीर की 108 दिवसीय आराधना में प्रतिदिन अभिषेक शांति धारा एवं हवन करने का सौभाग्य अलग-अलग दंपति सदस्यों को प्राप्त हुआ है इस आराधना का निष्ठापन एवं हवन के माध्यम से 17 नवंबर 2024 को प्रातः 8:00 बजे से किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक विनेश सोगानी ने बताया कि भगवान महावीर आराधना के निष्ठापन कार्यक्रम का निर्देशन प्रतिष्ठाचार्य प्रदुमन जी शास्त्री द्वारा किया जाएगा इस अवसर पर विद्यासागर सभागार भवन में भगवान महावीर को विराजमान कर अभिषेक एवं शांति धारा के पश्चात विभिन्न हवन कुंडों के माध्यम से आहुति दी जाएगी समाज समिति के उपाध्यक्ष राजेंद्र सोनी ने बताया कि परम पूज्य आचार्य गुरुवर शशांक सागर जी महाराज के चातुर्मास के अवसर पर पिच्छिका परिवर्तन का कार्यक्रम दिनांक 24 नवंबर 2024 को आचार्य विद्यासागर सभागार भवन में दोपहर 1:15 पर प्रारंभ होगा इस अवसर पर पूज्य गुरुदेव की संगीतमय पूजा, पाद पक्षालन, शास्त्र भेंट,आरती एवं भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया जाएगा। इस अवसर पर समाज के सभी श्रद्धालुओं को पूज्य गुरुदेव का विशेष मंगल आशीर्वाद प्राप्त होगा। कार्यक्रम में पूज्य गुरुदेव के सभी भक्तगण एवं जयपुर जैन समाज के सभी प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है।

विनेश सोगानी प्रचार संयोजक

'कमलनयन' निज राष्ट्र हित, करो सदा सत्कर्म : लक्ष्मीकांत कमलनयन

मुम्बई. शाबाश इंडिया

मीरा रोड में 'सृष्टि फाउंडेशन' द्वारा बहुत ही शानदार कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन विपिन गुप्ता ने किया । कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि विनोद त्रिपाठी के हाथ से मां वीणा पाणी का दीप प्रज्वलन किया गया। मां शारदे की वंदना शकुंतला गुप्ता ने किया। अद्भुत मंच का संचालन प्रज्ञा शर्मा ने किया ।फिर ओज के कवि लक्ष्मी कांत 'कमल नयन' ने अपनी कविताओं से राम मय महौल बना दिया श्रोताओं ने जय श्री राम वंदेमातरम के खूब नारे लगाए और तालियों से अपना स्नेह दिए। विनोद त्रिपाठी ने शानदार गजल प्रस्तुत किया, देवदत्त देव,भीम सेन सिंह, डॉ रोशनी किरण, अभिनेत्री एकता तिवारी, और डॉ प्रज्ञा शर्मा ने सराहनीय काव्य पाठ किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया। सभी का धन्यवाद ज्ञापित विपिन गुप्ता ने किया।

श्री पुष्कर मेला 2024

52 घाटों पर 5100 महिलाओं ने 51 हजार दीपदान से बनाया रिकॉर्ड

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी बनी साक्षी, समस्त 52 घाटों पर हुई महाआरती

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पुष्कर मेला 2024 में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सरोवर के समस्त 52 घाटों पर महाआरती और दीपदान कर रिकॉर्ड बनाया गया। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, जल संसाधन मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत एवं मसूदा विधायक श्री वीरेंद्र सिंह कानावत ने जयपुर घाट पर पूजा अर्चना कर महाआरती की। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की उपस्थिति में सरोवर के समस्त 52 घाटों पर 5100 महिलाओं ने 51 हजार दीपदान एक साथ एक समान परंपरागत चुनड़ी वेशभूषा में कर रिकॉर्ड बनाया। इसकी घोषणा इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के डॉ. विनोद शर्मा के द्वारा की गई। इस रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र मौके पर सुपुर्द किया गया। पीसांगन, पुष्कर एवं अजमेर के ग्रामीण क्षेत्र की राजीविका स्वयं सहायता समूह, आशा सहयोगिनी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं सहित 5100 महिलाएं घाटों पर उपस्थित रही। मुख्य आयोजन जयपुर घाट पर हुआ। यहां वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पवन कुमार राजऋषि, रविंद्र गौड़, पंडित कैलाश नाथ दाधीच, चंद्रशेखर गौड़, चितरंजन राजोरिया आदि ने पूजा संपन्न करवाई। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राज्य की समृद्धि एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम में नगाड़ा वादन एवं आतिशबाजी भी हुई।

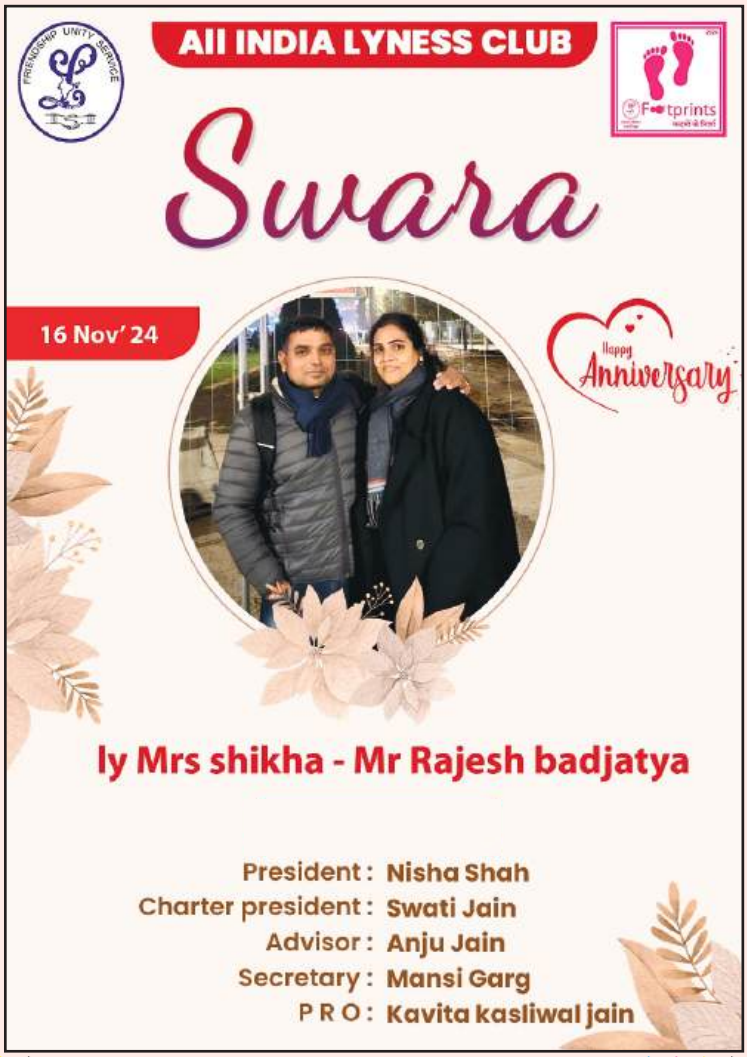

कार्तिक पूर्णिमा स्नान एवं सांस्कृतिक व खेलकूद आयोजनों के साथ पुष्कर मेला सम्पन्न

रस्साकसी में विदेशी पर्यटकों से देसी महिला और पुरुष दोनों ने मारी बाजी

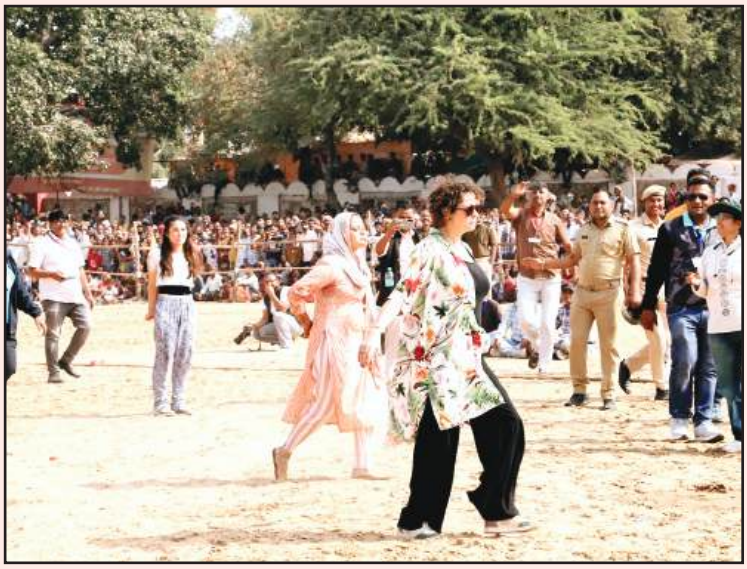

अजमेर. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर मेला शुक्रवार को पवित्र सरोवर में कार्तिक पूर्णिमा स्नान के साथ दान, पुण्य दक्षणा के बाद मेला मैदान में सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजनों के साथ संपन्न हो गया । समापन समारोह में राज्य की उपमुख्यमंत्री राजकुमारी दिया कुमारी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, विधायक वीरेंद्र कानावत, पुष्कर नगर परिषद के सभापति कमल पाठक, कलेक्टर लोक बंधु और एसपी वंदिता राणा, के सानिध्य में आयोजित किया गया। समापन समारोह के शुभारंभ पर पुष्कर की विभिन्न स्कूलों की छात्राओं ने राजस्थानी गानों पर सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियां दी। देशी विदेशी खिलाड़ियों के बीच में खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित हुई। महिला और पुरुष रस्साकशी प्रतियोगिता में दोनों में ही देशी खिलाड़ियों ने बाजी मारी। इसके अलावा राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए कलाकारों ने शानदार प्रस्तुतियां दी। पुष्कर मेला के सफल आयोजन पर सराहनीय कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समापन समारोह में काफी संख्या में भीड़ उमड़ी और मेला मैदान चारों तरफ से खचाखच भर गया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए भारी संख्या में पुलिस जाब्ता तैनात रहा। लेकिन इस बार खेलकूद प्रतियोगिता भारी अव्यवस्थाओ की भेंट चढ़ गया। जैसे ही खेलकूद प्रतियोगिता शुरू हुई मेला मैदान के चारों तरफ बल्लियों के पास बैठे सभी मेलार्थी बल्लियां तोड़कर मैदान में दौड़ के आ गए। पुलिस को भीड़ को नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी तो वहीं बड़ी मुश्किल से खेलकूद प्रतियोगिता शुरू हुई इस दौरान मेला मैदान में चारों तरफ अफरा तफरी का माहौल हो गया और मेलार्थी मैदान में जम गए जिन्हें हटाने में पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। महिलाओं और पुरुषों के बीच में बारी बारी से रस्साकशी का मुकाबला हुआ। जिसमें देसी और विदेशी महिलाओं के बीच कांटे की टक्कर का मुकाबला देखने को मिला आखिरकार देशी महिलाओं ने बाजी मार ली वहीं दूसरी तरफ विदेशी और देशी पर्यटकों के बीच में भी कांटेदार मुकाबला देखने को मिला लेकिन इसमें भी आखिरकार देशी खिलाड़ियों ने बाजी मारी । इस दौरान मौजूद मेलार्थियों ने विजेता खिलाड़ियों को कंधे पर बैठाकर नारेबाजी की। एडिशनल एसपी दीपक कुमार, एडीएम ज्योति ककवानी, गजेन्द्रसिंह राठौड़, मेला मजिस्ट्रेट गौरव मित्तल, सीओ ग्रामीण रामचंद्र, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक सुनील घीया सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी और अधिकारी मौजूद थे।

श्री पवन-श्रीमती रीटा जी पाटनी

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

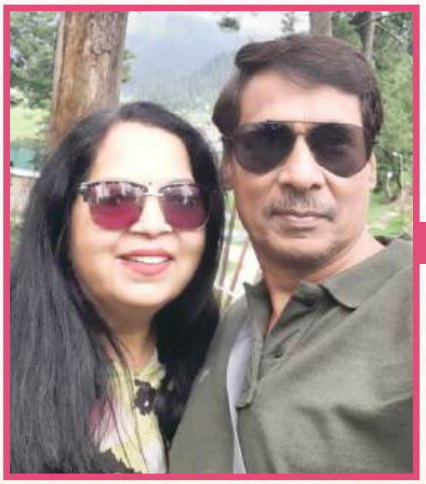

16 नवम्बर' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या

संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका

सचिव: राजेश - रानी पाटनी

कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन

सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर